INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी
सांध्य दैनिक
यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053

Sweety
BY
MR
GROUP
Presents
Unique Samay Update

वर्ष-2 | अंक-700 | मथुरा, बुधवार, 29 जनवरी 2025 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | twitter.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

कुंभ मेला में भीड़ अनियंत्रित होने से भगदड़ | प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और राज्यपाल ने भी ली जानकारी

30 श्रद्धालुओं की मौत, 60 घायल

सीएम की अधिकारियों के साथ बैठक, न्यायिक जांच के आदेश

मृतको के परिवारों के लिए 25-25 लाख के मुआवजे का ऐलान

यूनिक समय ब्यूरो

यूनिक समय, प्रयागराज। 144 वर्ष बाद लगे महाकुंभ मेला में मध्य रात्रि के बाद मची भगदड़ में कई दर्जन श्रद्धालु घायल हो गए। हॉस्पिटल पहुंचे घायलों में से डॉक्टरों ने 30 श्रद्धालुओं को मृत घोषित कर दिया। 60 श्रद्धालु घायल हो गए। अनियंत्रित हुई भीड़ को संभालने के लिए एनएसजी, सेना समेत पुलिस अधिकारियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एवं प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से निरंतर संपर्क कर स्थिति की जानकारी लेते रहे। मुख्यमंत्री ने हादसे पर दुख जताया। कहा कि इस हादसे की जांच होगी। जानकारी के अनुसार मौनी अमावस्या पर संगम में अमृत स्नान का योग था। इस कारण संतों के अखाड़ों को सबसे पहसे स्नान करने जाना था, लेकिन कुंभ मेला क्षेत्र में रात करोड़ों श्रद्धालु पहुंच गए। सभी रास्ते जाम हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार संगम तट पर भीड़ अनियंत्रित होती दिखाई। यकायक भगदड़ की स्थिति बन गई। मेला परिसर में खुले हर थाने और पुलिस चौकी के वायरलैस गूंजने लगे। अधिकारियों की गाड़ी और एम्बुलेंस सायरन बजाती घटना स्थल की ओर पहुंची तो हर किसी के कान खड़े हो गए। बचाव कार्य में एंबुलेंस की कई दर्जन गाड़ियां मरीजों को कॉल्विन अस्पताल के साथ मेला क्षेत्र स्थित चिकित्सालयों के अलावा एसआरएन अस्पताल में पहुंचाती नजर आई। परिजनों की चीख पुकार से संगम से लेकर महाकुंभ के केंद्रीय चिकित्सालय तक कोहराम मच गया। मृतकों के परिजनों का कहना था कि बड़ी संख्या में लोग स्नान के लिए संगम नोज की ओर बढ़ रहे थे। वह पोल नंबर 11 से 17 के बीच चल रहे थे। पीछे से यकायक बहुत तेज गति में पीछे से भीड़ का रेला आया। कुछ लोग संभल नहीं सके और नीचे गिर पड़े तो भीड़ उन्हें रौंदते हुए निकल गई। अपनों को बचाने में कई और लोग भगदड़ की चपेट में आ गए। पुलिसकर्मी जब तक स्थिति नियंत्रित कर पाते तब तक दर्जनों लोग अचेत हो चुके थे, जबकि कुछ ऐसे भी लोग थे जो होश में तो थे लेकिन वह कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं थे। हादसा होने के कारण प्रारंभिक तौर पर बेकाबू भीड़ को बैरिकेडिंग करके रास्ता रोकना बताया जा रहा है। मौके पर बड़े पैमाने पर फोर्स तैनात कर दिया गया। भीड़ और हादसे को देखते हुए अखाड़ों ने अमृत स्नान का समय आगे बढ़ा दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हादसे की खबर के बाद लखनऊ में अधिकारियों के साथ बैठक की। इसमें मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव गृह, डीजीपी के साथ ही एडीजी कानून व्यवस्था शामिल थे। उन्होंने श्रद्धालुओं से संगम न आने की अपील की। कहा कि मां गंगा के जो जिस घाट के समीप है, वहीं स्नान करें। संगम जोन जाने का प्रयास न करें। प्रशासन के निर्देश का पालन करें और व्यवस्था बनाने में सहयोग दें। किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। डीआईजी कुंभ वैभव कृष्ण ने माना कि महाकुंभ में भारी भीड़ का दबाव बना। इस वजह से बैरिकेड्स टूट गए और भीड़ ने लोगों को कुचलना शुरू कर दिया। पत्रकारों को बताया कि मध्य रात्रि एक-दो बजे के बीच भगदड़ हुई थी। मृतकों में से 25 की पहचान कर ली गई है। इसमें चार लोग कर्नाटक और एक श्रद्धालु गुजरात का रहने वाला था। अन्य 5 की पहचान की जा रही है। इसके साथ ही सूत्रों के अनुसार बड़ी संख्या में कई परिवारों के सदस्य गायब हैं जिनकी तलाश जारी है।

जाम में 2 .5 लाख वाहन फंसे

यूनिक समय, प्रयागराज । प्रयागराज जाने के सभी रास्ते बंद कर दिये हैं। 2.5 लाख वाहन फंस गए थे। 20 किलोमीटर का लंबा जाम लग गया था।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी के बोल

यूनिक समय, प्रयागराज। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी ने कहा कि 12 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु प्रयागराज में हैं। इतनी बड़ी भीड़ को कंट्रोल करना मुश्किल होता है। हमारे साथ संतों का हुजूम है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि करोड़ों श्रद्धालुओं के हुजूम को देखते हुए हमने सांकेतिक स्नान किया है। पूरे देश और विश्व के कल्याण की कामना की है।

मथुरा से प्रयागराज जाने वाली मेला स्पेशल ट्रेन हुई बंद

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन से प्रयागराज को जाने वाली मेला स्पेशल ट्रेन को रेलवे ने बंद कर दिया है। इसके चलते कुम्भ मेला को जाने वाले यात्रियों को असुविधा होगी। कुम्भ मेला में भीड़ के दबाव से मची भगदड़ के बाद महाकुम्भ में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए मथुरा जंक्शन से प्रयागराज को जाने वाली मेला स्पेशल ट्रेन को बंद कर दिया गया है। अब मथुरा जंक्शन से कुम्भ जाने वाले यात्रियों को दूसरी ट्रेनों से यात्रा करनी पड़ेगी। स्टेशन डायरेक्टर एनपी सिंह ने बताया कि आज से मेला स्पेशल ट्रेन को बंद कर दिया गया है। आधिकारियों के आदेश मिलने पर ट्रेन को दोबारा चलाया जाएगा।

दहशत

महाकुंभ में हादसे की खबर से लगा था झटका

भगवान का शुक्रिया, ब्रजवासी सकुशल हैं

यूनिक समय ब्यूरो

यूनिक समय, मथुरा/ आगरा/ अलीगढ़/ हाथरस/ फिरोजाबाद/ एटा/ मैनपुरी/ भरतपुर। प्रयागराज में 144 वर्ष बाद लगे महाकुंभ मेला में मध्य रात्रि के बाद मची भगदड़ में करीब 18 श्रद्धालुओं के मरने और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के घायल होने की खबर से ब्रज मंडल के कई परिवार बैचेन हो गए। टीवी चैनल और सोशल मीडिया पर आ रही खबरों से हर किसी ने प्रयागराज गए सदस्यों की सकुशलता पूछने के लिए फोन करने शुरू कर दिया। हालत यह थी कि दिन निकलने के साथ ही इन लोगों को भगवान याद आ गए थे। उनके मुंह से सिर्फ यही निकल रहा था कि शुभ खबर ही मिले। काफी देर बाद हुए संपर्क से ब्रज अंचल में रहने वाले परिवारों को राहत की सांस मिली। गौरतलब है कि ब्रज मंडल से बड़ी संख्या में साधु संत अपने शिष्यों के साथ महाकुंभ में गए थे। इसी तरह से अन्य लोग मौनी अमावस्या पर संगम में डुबकी लगाने गए थे। भीड़ का दबाव इतनी अधिक बढ़ गया था कि यकायक भगदड़ की स्थिति बन गई। फिर क्या सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर महाकुंभ में हुए हादसे की खबर का प्रसारण हुआ तो यहां से गए लोगों के परिवारों का झटका सा लगा। उन्होंने फोन मिलाने शुरू कर दिए, कि आप तो ठीक हैं ना। उधर से हां का जवाब मिलने पर ही राहत की सांस मिली। वृंदावन से गए बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल भी काफी चिंतित दिखाई दिए। उन्होंने अपनापन दिखाते हुए व्हाट्सएप के जरिए संदेश भेजकर सभी से ठीक होने की खबर ली। इसी तरह से अलीगढ़ से एक परिवार के मुखिया हरीशंकर ने अपने सदस्यों से फोन करके सकुशलता की जानकारी ली। आगरा से प्रवीण कुमार के परिवार वाले प्रयागराज गए हैं। हादसे की खबर से एकदम सन्न रह गए। संपर्क होने पर भगवान का आभार जताया।

सुबह से फोन करके सकुशलता के लिए संपर्क शुरू

अब महाकुंभ जाने वाले सोचने लगे, जाएं या नही

यूनिक समय, मथुरा/ आगरा/ अलीगढ़/ हाथरस/ फिरोजाबाद/ एटा/ मैनपुरी/ भरतपुर। अब बसंत पंचमी और माघ पूर्णिमा समेत अन्य दिनों के लिए महाकुंभ में जाने का विचार करने वाले सोचने को विवश हो गए हैं कि जाएं या नहीं। वजह महाकुंभ में उमड़ी भीड़ ने सोचने को विवश कर दिया है। कई लोगों का कहना था कि भीड़ रुकने वाली नहीं है। ऐसी भीड़ में जाने से क्या फायदा। मेला का समापन होने के बाद जाएंगे तो एक सुकून के साथ डुबकी लगाएंगे।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने यमुना में लगाई डुबकी

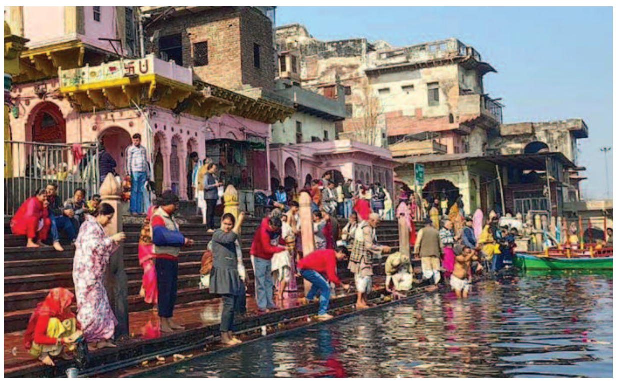
मौनी अमावस्या पर विश्राम घाट के पास यमुना की पूजा करते श्रद्धालु।

ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन करते श्रद्धालु।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/वृंदावन। मौनी अमावस्या पर मथुरा और वृंदावन में सुबह के समय श्रद्धालुओं ने यमुना में डुबकी लगाकर पूजा अर्चना की। फिर मथुरा में ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर और वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी महाराज मंदिर में दर्शन किए। बड़ी संख्या में महिला और पुरुषों ने मौनी खोल–हरि बोल के साथ अपना मौन खोला। मौनी अमावस्या को देखते हुए शहर के लोग बड़ी संख्या में विश्राम घाट समेत अन्य घाटों पर पहुंच गए। उन्होंने यमुना में डुबकी लगाकर यमुना महारानी की पूजा अर्चना कर दान भी किया। यहां से वह ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर पहुंचे और मंगला आरती के दर्शन किए। वृंदावन में मौनी अमावस्या पर जग प्रसिद्ध ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर में दूर–दराज से आए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। मथुरा, अलीगढ़, हाथरस और अनेक जगह से आए हुए श्रद्धालुओं ने ठाकुर बांके बिहारी लाल के सामने अपनी हाजिरी लगाई। पंचकोसी परिक्रमा की। वही श्रद्धालुओं की भीड़ के आगे प्रशासन की बनाई गई व्यवस्थाएं भी ध्वस्त हो गई।

मथुरा के राजाधिराज मंदिर में दर्शन को भीड़ उमड़ी

वृंदावन के बांके बिहारी के दरबार में हाजिरी लगाने आए लोग

यमुना में डुबकी और पंचकोसी परिक्रमा लगाई

विद्यालयों में छात्रों की अपार आईडी बनाने की गति धीमी

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यू–डायस अपार की धीमी प्रगति वाले विद्यालयों के इंचार्ज \ प्रधानध्यापक बीएसए के निशाने पर आ गए हैं। इनके द्वारा अपने–अपने विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं की शैक्षिक प्रगति और उपलब्धि को ट्रैक किये जाने के सम्बन्ध में यू–डायस पोर्टल के माध्यम से लगातार चेतावनी दिए जाने के बाद भी अपलोड नहीं की जा रही है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त ने 27 जनवरी को इस योजना की समीक्षा में पाया कि सहायता प्राप्त विद्यालयों द्वारा अद्यतन मात्र 63.01 प्रतिशत ही कार्य यू–डायस पोर्टल पर छात्र–छात्राओं के अपार आईडी सृजन का कार्य पूर्ण किया गया है। जबकि 947 राजकीय, परिषदीय, विद्यालयों 90 प्रतिशत कार्य यू डायस पर छात्रों की अपार आईडी बनाने का किया गया है। जबकि 145 विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के द्वारा अभी तक यह कार्य नहीं किया गया है। जिससे जनपद की रैंक प्रभावित हो रही है। अब बीएसए ने शेष बचे राजकीय, बेसिक शिक्षा परिषद व सहायता प्राप्त विद्यालयों में तत्काल कार्य को पूर्ण नहीं किया गया तो उनकी विरूद्ध विभागीय कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया है कि वे शीघ्र अपने खंड शिक्षा अधिकारियों को कार्य पूर्ण करने की रिपोर्ट उपलब्ध करायें।

145 विद्यालयों के प्रधानाध्यापक आए बीएसए के निशाने पर

सभी छात्रों की अपार आईडी बनाने के दिए निर्देश

कार्य ऑनलाइन पूरा नहीं किया गया तो होगी कार्रवाई

कलेक्ट्रेट पर डीएम के आदेश का असर दिखाई देने लगा

कलेक्ट्रेट में विभिन्न अधिकारियों के न्यायालयों की गई रंगाई पुताई।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी ने विगत दिवस कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित विभिन्न पटलों के निरीक्षण के दौरान सिटी मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए थे कि डीएम कार्यालय सहित सभी अधिकारियों के कार्यालयों की रंगाई पुताई व मरम्मत का कार्य कराया जाए। जिसका असर अब कलेक्ट्रेट परिसर में दिखाई देने लगा है। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने देखा कि कलेक्टेट परिसर स्थित अधिकारियों के कार्यालयों की दीवारों का प्लास्टर उखड़ रहा है। कई वर्षों से रंगाई–पुताई नहीं हुई थी। इस संबंध में उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट राकेश कुमार को निर्देश दिए थे। अब यहां सभी कार्यालयों की साफ सफाई प्रारंभ करा दी गई है। वहीं उखड़े पड़े दीवारों के प्लास्टर को पुनः लगाया जा रहा है। जो टूट फूट हुई है उसे ठीक किया जा रहा है। वहीं शौचालयों की मरम्मत भी कराई जा रही है। इसके अलावा कर्मचारियों के पटलों के कक्षों को ठीक किया जा रहा है।

रंगाई पुताई व मरम्मत का कार्य कराया प्रारंभ

प्रतिभा

नोएडा में नौवीं के छात्र ने खोजा क्षुद्र ग्रह

दक्ष मलिक ने नासा की आईएडीपी के तहत हासिल की कामयाबी

International Astronomical Search Collaboration
International Astronomical Search Collaboration

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, नोएडा। नोएडा के शिय नाहर या नादर स्कूल के नौवीं के छात्र दक्ष मलिक (14) ने एक क्षुद्रग्रह (एस्टेरॉयड) की खोज की है। उसने अमरीकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के इंटरनेशनल एस्टेरॉयड डिस्कवरी प्रोजेक्ट (आइएडीपी) के तहत यह उपलब्धि हासिल की। पिछले साल उसने इसकी प्रारंभिक जानकारी नासा को भेजी थी। नासा ने इसे मेन केन्ट बुद्राह' के रूप में मान्यता दी है। फिलहाल इसका अस्थायी नाम 2023–ओजी 40 रखा गया है।

नासा ने दक्ष को ही इसका नाम रखने का मौका दिया है। क्षुद्रग्रह छोटे तारे हैं, जो सूर्य के चारों चक्कर लगाते हैं।

आइएडीपी में आम लोग व विद्यार्थी नासा के सॉफ्टवेयर हेटा से क्षुद्रग्रह ढूंढ सकते है। यह सिटीजन साइस प्रोजेक्ट का हिस्सा है। हर साल दुनियाभर के हजारों लोगों में से कुछ को ही कामयाबी हासिल होती है।

हर साल हजारों में से कुछ को मिलती है कामयाबी

दक्ष ही देगा इस ग्रह को अपना नाम

CIMS
सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस
(Multi Super Speciality Hospital With 200+ Beds Facility)
डॉ. गौरव भारद्वाज
चेयरमैन -
सिटी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स
CITY INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
कैथलैब, सीटी स्कैन, एक्स-रे, अल्ट्रासाउण्ड, ई.को., टी.एम.टी., ई.ई.जी., एन.सी.वी
एडवांस्ड सर्जीकल माइक्रोस्कोप, पैथ-लैबोरेट्री तथा अन्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध।
देश के जाने-माने अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा
अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ विश्वस्तरीय इलाज
अब एक ही छत के नीचे सिम्स मथुरा में 24 घण्टे उपलब्ध है।
टीपीए एवं बीमा कम्पनियों द्वारा कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है।
अपॉइंटमेंट बुक करें : 9258113570, 9258113571
सिम्स हॉस्पिटल, निकट श्रीराधा वैली, एन.एच.19, मथुरा

महात्मा गांधी प्रतिमा के सामने कांग्रेसियों ने उठाये मुद्दे

विकास बाजार स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा के सामने धरना देते महानगर कांग्रेस के कार्यकर्ता।

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि के नेतृत्व में विकास बाजार स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने नगर निगम के मेयर के विरोध में धरना प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट राकेश कुमार को दिया।

इस मौके पर प्रदेश महासचिव मुकेश धनगर, पार्षद धनंजय चौधरी, पुनीत बघेल, अबरार कुरैशी, दिनेश बिंदल, शालू अग्रवाल, संजय पचौरी, विपुल पाठक, अप्रतिम सक्सेना, जिलानी कादरी, मनोज गौड़ शत्रुघ्न शर्मा, मुस्लिम कुरैशी, पूरन सिंह, काशन रिजवी, राजकुमार शर्मा, सतीश राजोरिया तथा अनवर फारुकी आदि शामिल थे। संचालन महेश चौबे ने किया।

श्री जयंती प्रसाद वैदिक विद्याश्रम में जनेऊ संस्कार दो फरवरी को

यूनिक समय, वृंदावन। गौधूलिपुरम स्थित श्री जयंती प्रसाद वैदिक विद्याश्रम में दो फरवरी (बसंत पंचमी) को यज्ञोपवीत जनेऊ संस्कार समारोह प्रातः 8:00 बजे से 2:00 बजे तक चलेगा। अध्यक्षता रसिक संत स्वामी महेश दास बाबा महाराज करेंगे। आचार्य पंडित बनवारी लाल गौड़ ने बताया कि जनेऊ संस्कार समारोह में एक फरवरी को प्रातः 8 से 10 बजे के बीच में वैदिक मंत्रों के साथ सभी विप्र बटुक ब्रह्मचारियों का मुंडन संस्कार होगा फिर विधि स्नान होगा। दोपहर 12 बजे के लगभग नांदी श्राद्ध और गणपति पूजन देव पूजन आदि कार्य रहेंगे। उसी दिन नित्य नियमित संध्या वंदन गायत्री जाप की परंपरा और नित्य अग्निहोत्र करने के नियम विधि विधान और यज्ञ आदि रहेगा। इस यज्ञ का संचालन करने के लिए प्रधानाचार्य चैतन्य गौड़ के साथ अन्य विदतजन रहेंगे। दो फरवरी को प्रातः काल स्नान ध्यान संध्या वंदन गायत्री से निवृत होने के बाद में आठ बजे मूंज का जनेऊ यज्ञोपवीत के रूप में धारण कराया जाएगा। श्री गौड़ ने बताया कि 2 फरवरी को सुबह 10 बजे से 11 बजे के बीच में गायत्री मंत्र की दीक्षा दी जाएगी।

इग्नू के प्रवेश की अंतिम तिथि 31 जनवरी

यूनिक समय, मथुरा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने शैक्षिक सत्र 2025 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इसका केन्द्र बीएसए कॉलेज को बनाया गया है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ललित मोहन शर्मा ने कहा है कि इच्छुक अभ्यर्थी डिप्लोमा, स्नातक (बीए, बी.कॉम, बीएससी, बीबीए, बीसीए, एमए, एमबीए) पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। बी.एस.ए. कॉलेज इग्नू अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. डॉ मधु त्यागी ने बताया कि इच्छुक छात्र इग्नू की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। प्रवेश प्रक्रिया और पाठ्यक्रम से जुड़ी विस्तृत जानकारी महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

सरकारी महकमों का हाल-बेहाल

चक्कर काटती हैं टेबलों पर फाइल

कार्यालय संवाददाता

लोगों को पता नहीं, उनका काम कब होगा

कार्यालयों के बाहर लगे चार्टर गायब कर दिए

यूनिक समय, मथुरा। सरकारी कार्यालयों में अपने काम कराने के लिए आने वाले लोगों की फाइले एक टेबल से दूसरे टेबल के चक्कर काटती रहती हैं, लेकिन उसे इस बात का पता ही नहीं लगता कि उसका काम कितने समय में होगा। सरकार ने इसके लिए पहले सभी विभागों में काम करने की सीमा निर्धारित करने के लिए चार्टर की व्यवस्था की थी जो अब विभागों में नजर नहीं आ रही है। सरकार ने सभी विभागों में किए जाने वाले विभागीय कार्यों को पूर्ण करने के लिए एक समय सीमा निर्धारित की गई थी। इसके लिए कलेक्टर कार्यालय, पुलिस विभाग से लेकर सभी विभागों में होने वाले कार्यों के बारे में चार्टर बनाकर कार्यालयों के बाहर लगाने के लिए आदेश दिए गए थे। इस आदेश के मुताबिक संबंधित विभाग में होने वाले कार्य के लिए अधिकतम समय सीमा तय की गई थी। सभी विभागों में अपने काम से आने वाले लोगों को प्रार्थनापत्र देने के बाद इस बात का पता लग जाता था कि इतने समय के अंदर उसका काम हो जाएगा। इससे दो फायदे थे एक तो काम करने वाले कर्मचारी पर कोई दबाव नहीं बनाता था। इसके साथ ही काम कराने वाले को भी ऑफिसों के चक्कर नहीं काटने पड़ते थे। इसके साथ ही चार्टर पर दिए गए निर्धारित समय में काम न होने पर संबंधित कर्मचारी अथवा अधिकारी की उच्चाधिकारियों को शिकायत मिलने पर उससे पूछा जाता था। अब अधिकांश कार्यालयों से चार्टर गायब हैं। इसके साथ ही जिन विभागों में चार्टर लगे है वहां भी कर्मचारी और अधिकारी उनके अनुरूप काम करते नजर नहीं आते। यही कारण है कि कार्यालयों में काम कराने के लिए आने वाले लोगों को चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

भरतपुर रोड पर बाइक सवार के साथ हादसा

घायल युवक की अस्पताल पहुंचते हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे के भरतपुर रोड पर चंदनवन स्कूल के समीप बाइक सवार युवक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक की मौत हो गई। थाना हाईवे के गांव तारसी निवासी राजकुमार उर्फ राजू (22) पुत्र डालचंद बिरजापुर गांव में किसी ठेकेदार के पास लोहे की काम करता था। बताया गया कि वह कल सायं बाइक से घर के लिए लौट रहा था। रास्ते में भरतपुर रोड पर तेज गति से आते किसी वाहन ने चंदनवन पब्लिक स्कूल के समीप उसकी बाइक में टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह बुरी तरह से घायल हो गया। दुर्घटना करने वाला वाहन वहां से भाग गया। मौके पर आए लोगों ने राजकुमार उर्फ राजू के मोबाइल पर उसके घर पर दुर्घटना के बारे में सूचना दी। परिवार के लोगों में इस बात का पता लगने पर हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे परिवार के लोगों और ग्रामीण उसे लेकर भास्कर हॉस्पिटल गए। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस भी दुर्घटना की सूचना पर वहां पहुंच गई।

सभासद के इस्तीफे के पांच दिन बाद जांच को पहुंचा तहसील प्रशासन

जमीनी विवाद में शिकायत पर असंतोष से क्षुब्ध हो त्यागी थी सदस्यता

यूनिक समय, कोसीकलां। भाजपा सभासद द्वारा जमीनी विवाद में शिकायत पर मिली फटकार से क्षुब्ध इस्तीफा के पांच दिन बाद तहसील प्रशासन जागा। बुधवार को एसडीएम एवं तहसीलदार ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और हो रहे अवैध कब्जे को गलत पाते हुए काम रूकवा दिया। सभी के दस्तावेज तलब किए हैं। बताते चलें कि मोहल्ला निकासा में भाजपा सभासद टिंकुर अग्रवाल ने करीब 2230 वर्ग मीटर पैतृक संपत्ति पर कुछ लोगों द्वारा अवैध कब्जे की शिकायत की थी। आरोप था कि जब उनके पिता शिकायत करने पहुंचे तो उन्हें फटकार मिली। अपनी ही पार्टी की सरकार के बावजूद अभद्र व्यवहार से क्षुब्ध सभासद टिंकुर अग्रवाल ने इस्तीफा दे दिया था।

लोगों ने उनके प्रति सहानभूति जताई लेकिन कोई मदद नहीं हो सकी थी। इस घटना के पांच दिन बाद तहसील प्रशासन जागा। एसडीएम श्वेता सिंह बुधवार को तहसीलदार रजनीश कुमार वाजपेयी एवं टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभी पक्षों के दस्तावेज तलब किए।

तहसीलदार छाता रजनीश कुमार वाजपेयी ने बताया कि फिलहाल निर्माण कार्य रूकवा दिया गया है। मामले में न्यायालय में वाद चल रहा है। जिसमें सभी को पक्षकार बन अपना पक्ष रखने के लिए कहा है। कुछ बैनामा में भी त्रुटि है, जो कि रकबे से ज्यादा के हैं, उनकी भी जांच कराई जा रही है। उधर सभासद टिंकुर अग्रवाल ने कहा कि वे भूमाफियाओं के आगे झुकेंगे नहीं, न्याय के लिए लड़ाई जारी रखेंगे।

MM JEWELS MART
Inside Holigate, Koyla Gali, Mathura
9837266167

आज का शब्द

अकिंचित्कर

क्या है अकिंचित्कर शब्द !

अकिंचित्कर – अर्थहीन
उदाहरण:परीक्षा में श्याम द्वारा दिया गया उत्तर अकिंचित्कर था।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। केडी मेडिकल कॉलेज पुलिस चौकी के समीप अकबरपुर फ्लाईओवर पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार सोनू पुत्र चंद्रपाल उर्फ चंदू निवासी श्री केशव वाटिका, सतोहा, थाना हाईवे की मौत हो गई। यह जानकारी कोतवाली प्रभारी संजय त्यागी ने दी।

अब श्रम विभाग प्रतिदिन लगाएगा श्रमिकों के पंजीयन के तीन कैम्प

वरिष्ठ संवाददाता

श्रमिकों से संबंधित योजनाओं की भी दी जाएगी जानकारी

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य विकास अधिकारी ने श्रमिकों से संबंधित योजनाओं की कम प्रगति होने पर श्रम अधिकारियों से नाराजगी व्यक्त करते हुए इनके प्रचार प्रसार में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में श्रम विभाग के अधिकारी प्रतिदिन कम से कम तीन कैंप लगाए। जिसमें श्रमिकों का पंजीयन करें। उनको योजनाओं की जानकारी दें। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला श्रम बन्धु की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में हुई बैठक में श्रम प्रवर्तन अधिकारी नीलम ने श्रम बन्धु की बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उनके द्वारा श्रमिकों के पंजीकरण, नवीनीकरण और योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

प्रयागराज में लगे महाकुंभ मेला के दौरान संगम में डुबकी लगाते अनिल कसेरे, अभिषेक कसेरे, नम्रता कसेरे तथा आरव, कुशाग्र आदि लोग।

नगर निगम की छूट का लाभ उठाएं करदाता

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम की ओर से वर्तमान सम्पत्ति कर में दी जा रही 10 प्रतिशत छूट की अवधि में मात्र 02 दिन शेष हैं। नगर निगम के सभी भवन स्वामियों से अपील है कि अपना गृहकर, जलकर एवं सीवरकर जमा कराकर 10 प्रतिशत छूट का लाभ उठायें। अम्बेडकर पार्क प्रीत विहार राया रोड क्षेत्र में कैम्प का आयोजन किया गया, जहां क्षेत्र के भवन स्वामियों द्वारा अपने भवन का गृहकर, जलकर जमा कराया गया। कैम्प में लगभग 2.25 लाख की वसूली हुई। 30 जनवरी को लोहवन स्थित गोपीनाथ मंदिर में प्रातः 11.00 बजे से सायं 04.00 बजे तक कैम्प लगाया जायेगा। भवन स्वामियों से अनुरोध है कि अपने भवन का कर जमा कराकर वर्तमान कर पर 10 प्रतिशत छूट का लाभ उठायें।

ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले दो युवक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस ने अलग-अलग तरीको से ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले दो युवक को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी निरीक्षक अजित सिंह ने बताया कि बठैनगेट पुलिस चौकी इंचार्ज अंकित मलिक को सूचना मिली कि ऑनलाइन फ्रॉड करने वाले दो युवक कोसी कामर रोड पर मोबाईल के माध्यम से ठगी कर रहे हैं। इस जानकारी पर अंकित मलिक टीम के साथ बताये गये स्थान पर पहुंचे। वहां उन्हे दो युवक मौके पर फ्रॉड करते हुए दिखाई दिए। पुलिस टीम ने दोनों युवको को दबोच लिया। युवकों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से पांच मोबाइल सहित फर्जी सिम कार्ड बरामद हुये। पकड़े गये अभियुक्तों में आसिफ पुत्र मकसूद, अलाउद्दीन पुत्र अख्तर, निवासी अलीपुर नगला खरौट, थाना कोसीकलां हैं। पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्तों ने लोगों के साथ ऑनलाइन ठगी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस बरामद मोबाइलों से इस बात का पता लगने का प्रयास कर रही है कि उनका इस्तेमाल किन-किन वारदातों में किया गया है।

राम मंदिर की पहली वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं
"दिल पर ना लें, दिल की बीमारी"
अब दिल का इलाज हुआ और भी आसान, मथुरा का सबसे विश्वसनीय
हृदय रोग संस्थान
ओ.पी.डी. प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक 24X7 आपातकालीन
अगर आप महसूस कर रहे हैं ये लक्षण तो बिना देरी किए चिकित्सीय परामर्श एवं इलाज लें
जैसे:-बेचैनी, घबराहट, सीने में जकड़न, भारीपन व दवाब महसूस होना, सांस लेने में तकलीफ या सांस फूलना, ठंडा पसीना आना, चक्कर आना, गले में घुटन सी होना, आंखों के सामने अंधेरा होना, बांऐ हाथ या कंधे में दर्द होना, गर्दन या पीठ के बीच में दर्द होना
ओ.पी.डी. ई.सी.जी ब्लड शुगर की जाँच फ्री
DR. ACHAL SHARMA
DM Cardiology (KEM Mumbai)
DrNB cardiology
DNB Gen Medicine
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आयुष्मान भारत से ईलाज की सुविधा
हेल्थ इंश्योरेन्स से कैशलेस ईलाज की सुविधा
भारतीय रेलवे से सम्बद्ध
ECHS की सुविधा

TEST	MARKET RATE	OUR RATE
ECHO	2500	1000
TMT	1500	500
Holter	2000	1500
Angiography	10000	7000
Angioplasty	140000	90000 (Stent charge Extra)
Pacemaker (TPI)	15000	9000

अन्य सुविधाएं
- Angioplasty, Angiography
- Heart Failure Management
- Pediatric Cardiac Intervention/ Coarctoplasty (छाती में बिना चीरा लगाए दिल के छेद को बन्द करना) Volvuloplasties, BMV
- 2D ECHO (Adult, Pediatric, Fetal DSE, Strain, Tee)
- Cardiac ICU with all modern facilities
- Cardial Catheterization

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
अकबरपुर, छाता, मथुरा हैल्पलाइन नं. 7055400400, 7088105741

डीएम और डीआईजी ने जेल का किया निरीक्षण

जिला कारागार में जेल अधीक्षक से बात करते डीएम सीपी सिंह एवं डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय।

यूनिक समय, मथुरा। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने जिला कारागार का निरीक्षण किया। जिला कारागार का निरीक्षण करते हुए बंदियों की संख्या की जानकारी ली। अवगत कराया गया है कारागार में 1465 बंदी है। अधिकारियों ने रसोई घर / पाकशाला, जेल चिकित्सालय, बैरकों व जेल परिसर का निरीक्षण किया। साफ–सफाई अच्छी पाई गई। जिलाधिकारी ने कहा कि खेल कूद जैसे टेबल टेनिस, वॉली बॉल आदि कराते रहे। जेल में उपस्थित बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए बताया गया कि बीएसए के माध्यम से शिक्षक पढ़ाने आते है। जिलाधिकारी ने महिलाओं के लिए हाइजीन किट की जानकारी ली। निर्देश दिए कि हाइजीन का विशेष ध्यान रखें। जिलाधिकारी ने सीसीटीवी कैमरों तथा जैमर की भी जानकारी ली।

एक ही रात में गांव के पांच घरों में लाखों की चोरी

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र के गांव फालैन में चोरों ने मंगलवार की रात पांच घरों से लाखों रुपये सामान व नगदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की घटना गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गयी। पीड़ितों ने बुधवार की सुबह थाने में प्रार्थना पत्र दिया है। चोरों के गिरोह ने एक रात में पांच घरों से लाखों की चोरी कर सनसनी फैला दी। चोर गांव फालैन के लूधिया थोक निवासी मोहन सिंह के मकान में घुस कर मकान का ताला तोड़कर 20 हजार रुपये की नकदी व सोने चांदी के आभूषण चोरी कर ले गये। बच्चू सिंह रावत के मकान से पांच हजार रुपये का सामान, चंद्रपाल के मकान से करीब 15 हजार रुपये का सामान, नवल किशोर के मकान से सात हजार रुपये नकद व पांच हजार का सामान, नवल सिंह के मकान से सामान चोरी कर ले गये। गांव में एक साथ पांच घरों में चोरी की घटना से सनसनी फैल गई। थाना प्रभारी निरीक्षक अजित सिंह ने बताया कि चोरी की घटना उनके संज्ञान में नहीं है। जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चेकिंग अभियान में दो ट्रैक्टर किए सीज

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। कस्बे के पैगांव रोड पर अवैध मिट्टी खनन करने वालों के खिलाफ तहसीलदार ने चैंकिंग अभियान चलाया। चैंकिग के दौरान मिट्टी का खनन करते दो ट्रैक्टरों को सीज किया गया। तहसीलदार रजनीश वाजपेयी ने बताया कि पैगांव रोड पर मिट्टी खनन की शिकायतें मिली थी। इसी को देखते हुए सुबह पैगाव रोड पर चेकिंग अभियान चलाया जिसमे दो ट्रैक्टर पकड़कर सीज कर दिए।

कल का संभावित मौसम

सुबह- कल सुबह मथुरा में तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहेगा। हवा, नमी और अन्य मौसम की स्थितियों जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए तापमान 10 डिग्री सेल्सियस जैसा महसूस हो सकता हैं। सुबह के समय बारिश की संभावना नहीं है, और हवा की गति 6 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी।

दोपहर-दोपहर के समय तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। 8 किलोमीटर प्रति घंटा की हवा की गति के साथ आर्द्रता लगभग 30 प्रतिशत रहेगी।

शाम- शाम का तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। इस समय बारिश की संभावना नहीं है, साथ ही हवा की गति 4 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी।

रात-रात का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और हवा की गति 8 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी।

18 छात्रों को प्रतिष्ठित कम्पनियों में मिली नौकरी

कम्पनी प्रतिनिधियों को सम्मानित करते हुए संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बी.एस.ए. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलाजी व एएसएम पॉलिटेक्निक के 18 छात्र-छात्राओं का कैम्पस प्लेसमेन्ट सप्ताह में चार विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों में अच्छे पैकेज पर चयन हुआ। इसमें आईटी क्षेत्र की कम्पनी इन्वेरोसाफ्ट सॉफ्टवेयर सोल्युशन में बीटैक कम्प्यूटर साइंस के शिव कुमार, निशान्त गर्ग व लक्ष्य प्रभा का चयन हुआ। ईवी चार्जिंग स्टेशन मेन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की कम्पनी एक्सीकॉम टैली सिस्टम में डिप्लोमा ईसी ब्रांच के विजय सिंह, अमन कुमार तथा डिप्लोमा इलेक्ट्रीकल ब्रांच के कुनाल, ओमप्रकाश, लोकेश व प्रशांत ने रोजगार पाया। मेकेनिकल क्षेत्र की कम्पनी एयरफ्लो प्रालि में बीटैक मेकेनिकल के गौरव शर्मा, डिप्लोमा मेकेनिकल के जसवीर, रोहित, सत्यनारायण, नितेश व सौरभ का आकर्षक पैकेज पर चयन हुआ। ऑटोमोटिव वाहन क्षेत्र की कम्पनी याज़ाकी इण्डिया में बीटैक इलेक्ट्रिकल के रिषभ मित्तल, धीरज सिंह तथा मधुसुदन का उच्च पैकेज पर चयन हुआ। इस उपलब्धि का श्रेय अपने विभागाध्यक्ष, शिक्षक व टैनिंग एण्ड प्लेसमैन्ट विभाग को दिया। संस्थान के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल, वाइस चेयरमैन इंजी. नितिन मित्तल, संचाल मण्डल सदस्य उमेश गोयल, निदेशक प्रो. डॉ. श्याम सुन्दर अग्रवाल, एएसएम पालिटेक्निक निदेशक प्रो. डॉ. लोकेन्द्र कुमार शर्मा एवं रजिस्ट्रार भगवान सिंह ने चयनित छात्र-छात्राओ को बधाई दी।

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व सचिव की अनियमितताओं की रिपोर्ट नहीं हुई सार्वजनिक

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बार एसोसिएशन की बैठक में आज पूर्व अध्यक्ष और सचिव द्वारा बरती गई अनियमितताओं की जांच रिपोर्ट सभी अधिवक्ताओं के सामने सार्वजनिक करनी थी। बैठक में झगड़े की आशंका को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कचहरी पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की थी। बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के सुझाव पर रिपोर्ट सार्वजनिक न करके वकीलों के व्हाटसएप पर भेजने का सुझाव देकर मामले को टाल दिया गया। सोमवार को जनरल हाउस की फिर बार एसोसिएशन की बैठक होगी। गौरतलब है कि बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष व सचिव द्वारा अपने कार्यकाल में की गई अनियमिता के बारे में जाच कमेटी बनाई गई थी। जांच कमेटी की आज रिपोर्ट को बार एसोसिएशन की होने वाली जनरल हाउस की मीटिंग में सभी अधिवक्ताओं के सामने पेश करना था। इस मामले में दोनों पक्षों के बीच झगड़ा होने की लोगों को आशंका थी। पुलिस को भी इस मामले में जानकारी होने पर एसपी सिटी ने कचहरी पर भारी पुलिस को सुरक्षा की दृष्टि से तैनात कर दिया।

झगड़े की आशंका को देख पुलिस प्रशासन ने कड़ी की थी सुरक्षा

वरिष्ठ वकीलों के सुझाव पर रिपोर्ट व्हाट्सएप पर भेजी गई

सोमवार को जनरल हाउस में होगा इस मामले में फैसला

जनरल हाउस में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने सुझाव दिया कि जनरल हाउस में जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक न करके अधिवक्ताओं को उनके मोबाइल पर भेज दिया जाए। इस पर जनरल हाउस में मामला शांत हो गया। बार एसोसिएशन के सचिव शिवकुमार लवानिया ने बताया कि 44 पेज की जांच रिपोर्ट की कॉपी बार एसोसिएशन का कर्मचारी पूर्व अध्यक्ष और सचिव के चेम्बर पर उन्हें देने के लिए लेकर गया, लेकिन दोनों ने उसे लेने से इंकार कर दिया। इस कॉपी को दोनों के व्हाटसएप पर भेज दी गई है। इस मामले में सोमवार को होने वाले जनरल हाउस में निर्णय लिया जाएगा।

भारत विकास परिषद अधिष्ठापन एवं शपथ ग्रहण समारोह

नगर आयुक्त ने डॉ. सुधीर गर्ग को शपथ दिलाई

भारत विकास परिषद के अधिष्ठापन एवं शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ करते नगर आयुक्त शशांक चौधरी। साथ में विशिष्ट अतिथि आई एम ए के अध्यक्ष डॉ. मनोज गुप्ता तथा संस्थापक सचिन अग्रवाल।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारत विकास परिषद मुख्य शाखा मथुरा का द्वितीय अधिष्ठापन एवं शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि मथुरा–वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त शशांक चौधरी, विशिष्ट अतिथि आई एम ए मथुरा के अध्यक्ष डॉ मनोज गुप्ता तथा संस्थापक सचिन अग्रवाल ने किया। नगर आयुक्त शशांक चौधरी ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. सुधीर गर्ग को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। फिर नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ सुधीर गर्ग ने अन्य सभी पदाधिकारी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। नगर आयुक्त ने संस्था की वार्षिक पत्रिका का विमोचन किया। कहा कि समाज सेवा में इसी प्रकार भाग लेना चाहिए। कोई भी समाज सेवायुक्त कार्य को करते समय अपने बच्चों को भी साथ रखना चाहिए जिससे कि आने वाली पीढ़ी समाज सेवा करने के लिए प्रेरित हो। सत्र 2025 के लिए नए पदाधिकारी के रूप में उपाध्यक्ष उमेश मित्तल व लोकेश तायल, सचिव आलोक जैन, कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल फ्रूटी, सहकोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, प्रचार मंत्री गिरीश गर्ग, संगठन मंत्री राजकुमार अग्रवाल आय व्यय निरीक्षक अभिषेक अग्रवाल बनाए गए। निर्वाचन अधिकारी राजेश अग्रवाल एडवोकेट एवं गोपाल अग्रवाल सुजुकी वाले थे। निवर्तमान अध्यक्ष वेद प्रकाश अग्रवाल ने सभी अतिथियों तथा सदस्यों का आभार जताया।

हथकंडे

राजनीति के खेल निराले

भाजपा अध्यक्ष बनने को अब चरित्र हनन पर उतरे नेता

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक चुनाव में धनबल चढ़कर बोल रहा है। प्रदेश के कई जिलों में इसकी आवाज भी लाइन में लगे नेताओं ने उजागर भी की थी। अब ऐसे ही मामले में जनपद के नेता भी दबी जुबान में कहने लगे हैं। यही नहीं अब एक–दूसरे के चरित्र पर कीचड़ उछालने की राजनीति शुरू हो गई है। कुछ प्रमुख दावेदारों को निशाना बनाया गया है। प्रदेश नेतृत्व को उनके चाल–चरित्र की फिल्म बनाकर भेजी गई है। एक पदाधिकारी पर महिला कार्यकर्ताओं के साथ अंतरंगता दर्शाने वाले फोटो कैप्शन बनाकर पोस्ट भेजी गई है।

महानगर एवं जिला अध्यक्ष की दौड़ में तीन दर्जन से अधिक लाइन में

प्रमुख दावेदारों के महिलाओं से अंतरंगता दर्शाने वाले कारनामे किये जा रहे हैं उजागर

गंदी राजनीति के चलते निष्ठावान कार्यकर्ता आए हांसिये पर

दूसरे पदाधिकारी के आपराधिक इतिहास की मोटी फाइल बनाकर भेजने की पुष्टि पार्टी सूत्रों ने की है। पद की अंधी दौड़ में राजनीतिक गंदगी चर्म पर है।

दर्जनों दावेदार हैं। कुछ लोग जन प्रतिनिधियों की सिफारिशों का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में कमजोर पड़ रहे लोगों ने दूसरे तरीके अपना लिए हैं। प्रदेश नेतृत्व भी ऐसे नेताओं से काफी परेशान है। एक पदाधिकारी के महिला कार्यकर्ताओं के साथ हाथ मिलाते, गोदी में बिठाए जैसे फोटो भेजे गये हैं। एक फोटो पद के लिए धन के लेनदेन को दर्शा रहा है। दूसरे पदाधिकारी के अब अपराध याद आ रहे हैं। पार्टी के कार्यक्रम, चंदा, चिट्ठी के समय यह सभी अपराध सभी के लिए क्षम्य थे। जनपद के पुराने कार्यकर्ता इस तरह की गंदी राजनीति से काफी आहत हैं। वह नाम न छापने की शर्त पर यह भी मानते हैं कि कई मामलों में अब पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ता हांसिए पर आए हैं। पद पाने की होड़ में कीचड़ उछाल राजनीति पार्टी की छवि को प्रभावित कर रही है।

उल्लेखनीय है कि राजनीतिक गंदगी से जुड़ी पोस्ट अभी पार्टी के चंद लोगों की गैलरी में सिमटी है। वह बाहर मुकदमेबाजी होने के डर से नहीं फैलाई गई है। वह बाहर निकली तो संबंधित लोग चुप नहीं बैठेंगे और रायता खूब फैल जाएगा। जिससे पार्टी की अंदरूनी स्वार्थवादी कलह खुलकर सड़कों पर आएगी।

मो. 9411981971, 9761238033
दर्द
रोगी निराश न हों
हाथों द्वारा नस पकड़ते ही आराम
सभी प्रकार के • दर्द • डिस्क स्लिप • माइग्रेन • सर्वाइकल • साइटिका • गठिया • जोड़ों का दर्द • नस का दब जाना • शुगर • स्वांस एवं सभी प्रकार के पेट रोग एवं मोटापा घटाने के लिए एक बार अवश्य मिलें
वैध राधेश्याम सारस्वत
डॉ. हर्ष कुमार सारस्वत
B.A.M.S. (Kanpur University)
एच. आर. न्यूरोथैरेपी चिकित्सा एवं रिसर्च सेन्टर अलीगढ़
वृन्दावनः- पारस प्राइड रूक्मनी बिहार, छटीकरा रोड़, वृन्दावन
समय- प्रत्येक बुधवार प्रातः 10 बजे से सायं 3 बजे तक
मथुराः- कृष्णा पुरी चौराहा, यमुना पुल, राया रोड़, मथुरा
समय- प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक (प्रत्येक गुरुवार से रविवार)

सांसद हेमामालिनी ने संगम में डुबकी लगाई

यूनिक समय, प्रयागराज। महाकुंभ में मौनी अमावस्या को त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगाने के लिए भाजपा सांसद हेमा मालिनी पहुंची। आस्था की डुबकी लगाने के बाद हेमा मालिनी ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि इस शुभ दिन पर स्नान करने का अवसर मिला। जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज और योग गुरु बाबा रामदेव ने भी अमृत स्नान किया। सांसद ने कहा कि वह बहुत अच्छा महसूस कर रही हैं। उन्हें ऐसा अनुभव पहले कभी नहीं हुआ। आज का दिन बहुत खास है। वह आज पवित्र स्नान कर बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हैं। ठंड इतनी ज्यादा थी कि पहली डुबकी में हेमा मालिनी पीछे हट गईं।

उनके चेहरे पर ठंड का असर साफ दिख रहा था लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने पूरी आस्था के साथ डुबकी लगाई।

उन्होंने भी आस्था की डुबकी लगाकर श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि महाकुंभ में सभी सुरक्षित हैं। इस दौरान उनका वीडियो भी सामने आया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

महिला की हत्या के खुलासे के करीब नहीं पहुंची पुलिस

यूनिक समय, कोसीकलां। करीब चार माह पूर्व निकटवर्ती गांव खिटावटा के खेतों में रह रहे बुजुर्ग महिला की अज्ञात लोगों ने नुकीले हथियारो के हमले से सिर को कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्या के चार माह बाद व्यतीत हो जाने के बाद भी पुलिस अभी हत्यारो से दूर है। हालांकि पुलिस ने पिछले चार माह मे दर्जनों लोगों को पूछताछ के द्वारा लिये हिरासत मे लिया था लेकिन कोई सुराग न मिल पाने के कारण छोड़ दिया। पुलिस हत्या के राज खोलने के लिये प्रत्येक पहलू पर विचार कर रही है। जल्द ही हत्या के राज के खुलासे की बात पुलिस के द्वारा कही जा रही है। गांव खिटावटा निवासी धर्मवीर चौधरी की पत्नी माया की बीते 26 सितम्बर को गांव से दूरी पर खेतो मे बने मकान मे रात्रि मे नुकीले हथियारो से हत्या कर दी गयी थी।

Google Partner

NiCOM Advertising

DIGITAL MARKETING

28 YEARS of Expertise in Newspaper Advertising

GO DIGITAL
Promote your Offline Business Online

Optimum Business Reach to your Customers at BEST PRICE!

PEOPLE GO ONLINE + THEY SEE YOU = YOU GET MORE CUSTOMERS

(CALL NOW) 80770 39791

Office - Krishna Nagar Chowk, Mathura 8273944999

गोवर्धन में प्रभु श्रीराम की अलौकिक छवि को देखकर हुए भाव विभोर

भगवान श्री रामचंद्र जी के छवि के आगे पूजा करते लोटस क्लब के पदाधिकारी।

यूनिक समय, गोवर्धन (मथुरा)। लोटस क्लब के पदाधिकारियों ने गिर्राज महाराज को छप्पन भोग एवं भजन संध्या का आयोजन कर अपने नए साल का शुभारंभ किया। अयोध्या में विराजमान भगवान श्री रामचंद्र जी की आलौकिक छवि के दर्शन कर सभी भक्त हुए भाव विभोर हुए। सभी सदस्यों ने गिर्राज महाराज का दूध अभिषेक परिक्रमा एवं भजन संध्या का आनंद लिया। संस्थापक दीपक कागजी, अध्यक्ष मनोज भार्गव, मंत्री चेतन कागजी, कोषाध्यक्ष मनोज गोयल, उपाध्यक्ष उमेश चंद्र सोनी, उप मंत्री आशीष बिंदल, प्रचार मंत्री अंकित अग्रवाल प्रेस वाले, आय व्यय निरीक्षक गौरव कागजी, मुख्य सलाहकार मनीष भार्गव, पंकज शर्मा, विजय कागजी, राजीव बंसल, रिकेश जैन, बृजेश, मुकेश वर्मा, दीपक, मुकुल तथा हर्षित आदि उपस्थित थे।

144 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के चयन की हुई कार्रवाई

वरिष्ठ संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में 307 आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पदों की भर्ती प्रकिया के तहत द्वितीय चरण में आज 7 परियोजनाओं क्रमशः शहर, नौहझील, गोवर्धन, नंदगांव, बलदेव ,छाता एवं फरह के कुल 65 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर वरीयता सूची में आने वाले 144 आवेदकों के आय, जाति, निवास एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के सत्यापन का कार्य जनपद स्तरीय चयन समिति एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों द्वारा राजीव भवन सभागार में किया गया। आज 36 आवेदक अनुपस्थित रहे। अगले चरण में पुनः 10-10 केन्द्र प्रति परियोजना के अनुसार 5 फरवरी को शेष बचे अभ्यार्थियों को समिति के समक्ष उपस्थित होने हेतु निर्देशित किया गया। जनपद स्तरीय चयन समिति में जिला विकास अधिकारी श्रीमती गरिमा खरे ,अवर अभियंता माइनर इरीगेशन विकास कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी किरण चौधरी और सदस्य सचिव, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती बुद्धि मिश्रा एवं सभी बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित थे।

36 आवेदक नहीं हुए उपस्थित

ढाबे पर गांजा बिक्री करता मालिक गिरफ्तार

यूनिक समय, चौमुहां। जैंत पुलिस ने चौमुहां में एक ढाबे पर गांजे की बिक्री करने वाले ढाबा स्वामी को गांजे की बिक्री करते हुए गिरफ्तार कर 1.4 किलो गांजा बरामद किया है। जैंत पुलिस को इस बारे में सूचना मिली कि चौमुहां के एक ढाबे पर गांजे की अवैध तरीके से बिक्री की जा रही है। इस सूचना पर पुलिस ने चौमुहां के इस ढाबे पर छापा मारकर ढाबा मालिक सीताराम निवासी दाऊद मौहल्ला चौमुहां को गिरफ्तार कर उसके पास से 1.4 किलो ग्राम गांजा बरामद किया है। सीताराम पहले भी कई बार गांजे की बिक्री करते हुए गिरफ्तार हो चुका है। फरह पुलिस ने भी इलाके में गांजा बिक्री होने की सूचना पर गांजा बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने बेरी की एक महिला को परखम गौशाला के समीप से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 600 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने इसी गांव की एक दूसरी महिला व संजय को कुरकंदा तिराहा और महुआन तिराहे पर लोगों को गांजा बिक्री करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस को इनके पास से 2.2 किलो ग्राम गांजा बरामद हुआ है। पुलिस ने सभी अभियुक्तों के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस ने दो महिलाओं सहित तीन को गांजा बेचते किया गिरफ्तार

शिक्षकों के चार दिवसीय प्रशिक्षण के द्वितीय बैच का समापन

यूनिक समय, मथुरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित परिषदीय शिक्षकों के चार दिवसीय 21 वीं सेंचुरी अनुभवजन्य जीवन कौशल प्रशिक्षण द्वितीय बैच का समापन हो गया। प्रतिभागी शिक्षकों को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य राजेंद्र बाबू ने कहा कि यह प्रशिक्षण आप सभी शिक्षकों के जीवन में आमूल चूल परिवर्तन करने वाला सिद्ध होगा। इस प्रशिक्षण में मनुष्य की प्रमुख समस्या तनाव प्रबंधन एवं क्रोध प्रबंधन करना भी बताया गया है। प्रशिक्षण संदर्भ दाता परमवीर सिंह ने प्रशिक्षण में माइंडफुलनेस क्रिया द्वारा अपने दिमाग को शांत रखने और ओवर थिंकिंग को रोकने के बारे में बताया। संदर्भ दाता दिगंबर सिंह ने तनाव और क्रोध प्रबंधन में ध्यान और योग की भूमिका को रेखांकित किया। संदर्भ दाता लवली पटेल ने शानदार गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण को रोचक बनाया। चित्रा गोला ने प्रशिक्षण में संप्रेषण और सृजनात्मकता क्षमता जैसे जीवन कौशलों पर प्रकाश डाला। शिक्षक वेद प्रकाश और शिक्षिका सोनू चतुर्वेदी ने प्रतिवेदन पढ़ा। प्रशिक्षण प्रभारी नरेंद्र कुमार प्रवक्ता और हरेश कुमार सिंह प्रवक्ता के मार्गदर्शन में किया गया। इस प्रशिक्षण में जनपद के सभी ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 90 शिक्षक–शिक्षिका शामिल हुए।

जाम लगा तो चला चालान का चाबुक

यूनिक समय, कोसीकलां। शहर जाम की समस्या से उबर नहीं पा रहा है। लगभग हर रोज जाम के झाम से शहर करहाता नजर आता है। बुधवार को पुलिस जब जाम में फंस गई तो फिर उन्हें चालान की याद आई। फिर क्या था। जाम में फंसे अधिकारियों की त्यौरियां चढ़ी देख कस्बा पुलिस हरकत में आ गई। इसके बाद कस्बा प्रभारी सुधीर सिंह चालान बुक लेकर सड़क पर निकल पड़े और सड़क को रोक कर खड़े वाहनों के धड़ाधड़ चालान काट दिए। बताते हैं कि उनकी कलम दर्जनों वाहनों के चालान काटकर ही बंद हुई। जिसके बाद सड़कों को जाम से राहत मिल सकी।

छात्र ने दरोगा पर लगाया आरोप, कोतवाली में तहरीर दी

यूनिक समय, वृंदावन। पागल बाबा मंदिर के निकट लुटेरिया हनुमान मंदिर तिराहे के समीप परीक्षा देने जा रहे बीएससी छात्र के साथ दरोगा द्वारा मारपीट करने का मामला सामने आया है।

गोपीनाथ बाजार निवासी देव शर्मा का आरोप है कि वह बुधवार की सुबह ई रिक्शा बुक कर मथुरा बीएसए कॉलेज एग्रीकल्चर की परीक्षा देने के लिए जा रहा था। जैसे ही उसका ई रिक्शा पागल बाबा तिराहे के समीप पहुंचा तो गाड़ी में सवार एक दरोगा ने उसके रिक्शे में पीछे से टक्कर मार दी। इतना ही नहीं बल्कि वर्दी का खौफ दिखाते हुए उन्होंने स्वयं की गलती मानने के बजाय ई रिक्शा चालक को पीटना शुरू कर दिया। जब उसने रिक्शा चालक को पिटता देख दरोगा ले पेपर लेट होने की बात कही तो दरोगा जी आगबबूला हो गए और गाली गलौज करते हुए उसके साथ भी मार पिटाई शुरू कर दी। जिससे उसके गंभीर चोटे आई है।

पीड़ित छात्र ने नामजद दरोगा के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर लेकर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

कॉरपोरेट जगत में प्रतिस्पर्धात्मक माहौल, चौकस रहने की जरूरत

प्रमुख संवाददाता

छात्र–छात्राओं को बदलते रिक्रूटमेंट ट्रेंड्स की जानकारी देती हुए रिसोर्स परसन ऐश्वर्या भाटिया।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट के बीबीए विभाग द्वारा आयोजित रिक्रूटमेंट ट्रेंड्स शेपिंग इन 2025 विषय पर रिसोर्स परसन ऐश्वर्या भाटिया ने कहा है कि कॉरपोरेट जगत में प्रतिस्पर्धात्मक का माहौल है। इसलिए चौकस रहने की जरूरत है। रिक्रूटमेंट स्पेशलिस्ट ऐश्वर्या भाटिया ने बताया कि व्यापार जगत तेजी से विकसित हो रहा है लिहाजा हमें कम्पनियों की आवश्यकता के अनुरूप अपने आपको अपडेट रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों पूर्व जो कार्य अच्छा था वह अब उतना कारगर नहीं रह गया है जिससे कम्पनियों के लिए समय से आगे रहने की दौड़ मुश्किल हो रही है। कहा कि अब गिग अर्थव्यवस्था भी प्रचलन में है जिसके अन्तर्गत अधिकांश लोग फ्रीलांसर के रूप में अल्पकालिक अनुबंध पर काम करने को मजबूर हैं। आप गिग अर्थव्यवस्था की अद्वितीय गतिशीलता के साथ भर्ती रणनीतियों का लाभ उठा सकते हैं। सुश्री भाटिया ने कहा कि कम्पनी के मूल्य, कार्य व वातावरण आदि पर विशेष ध्यान देना है। अंत में छात्र-छात्राओं ने रिसोर्स परसन से कई सवाल पूछे।

अधिक किराया वूसलने वाले आधा दर्जन चालक पकड़े

यूनिक समय, मथुरा। आरपीएफ ने मथुरा जंक्शन के सर्कुलेटिंग एरिया में आधा दर्जन के करीब ऑटो चालकों को यात्रियों से निर्धारित किराए से अधिक की मांग करते हुए हिरासत में लिया है। रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने आज मथुरा जंक्शन के सर्कु लेटिंग एरिया में खड़े होने वाले ऑटो व अन्य वाहन चालकों के बारे में जानकारी की चालक यात्रियों से निर्धारित किराए से अधिक वसूली तो नहीं कर रहे हैं। वहां पर देखा तो आधा दर्जन से अधिक ऑटो चालक सवारियों से अधिक पैसे मांग रहे थे। आरपीएफ के जवानों ने इस मामले में आधा दर्जन के करीब ऑटो चालकों को हिरासत में लिए और पूछताछ के लिए आरपीएफ थाने ले गए।

ट्रेन से कटकर 10 गाय मरी

यूनिक समय, मथुरा। रिफाइनरी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरारी के निकट रेलवे लाइन पर ट्रेन से कटकर करीब 10–12 गाय मर गई। सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए।

एमबीबीएस की छात्रा के निधन पर शोक

यूनिक समय, राया। युवा ब्राह्मण सभा की बैठक में एमबीबीएस की छात्रा डॉ. स्नेहा पाठक के निधन पर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। डॉ. स्नेह पाठक विद्यासागर अकेडमी की प्रबंधक जयप्रकाश पाठक की बड़ी पुत्री थी। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में मनोज शर्मा, यतीश उपमन्यु, डॉ. शिवदत्त शर्मा, दिनेश तिवारी, कन्हैया शर्मा, सुनील शर्मा, राकेश रावत, सुशील उपमन्यु, मुरलियां शर्मा, योगेश शर्मा तथा कुलदीप शर्मा आदि मौजूद थे।

टिप्स

आपके एक कप में समा जाएंगे ये पांच फायदे

चाय में चीनी की जगह डालना शुरू कर दें गुड़

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ज्यादातर लोगों को काम करने के दौरान चाय पीने की आदत होती है। ठंड के मौसम में तो चाय की तलब और भी बढ़ जाती है। आपको भी अगर बार–बार चाय पीने की आदत है, तो आपको अपने चाय बनाने के तरीके में एक बदलाव जरूर करना चाहिए।

जाहिर–सी बात है कि सर्दी में आप जितनी बार भी चाय पिएंगे, उतनी बार चीनी भी आपके शरीर में जाएगी। चीनी वजन बढ़ने का सबसे बड़ा कारण होती है इसलिए आपको चीनी की जगह चाय में गुड़ डालना शुरू कर देना चाहिए।आइए, जानते हैं इसके क्या फायदे हैं–

पेट की चर्बी कम और वजन रहेगा कंट्रोल

वजन कम करने के लिए गुड़ की चाय किसी वरदान से कम नहीं है। इस चाय से सर्दियों में चीनी की मात्रा भी आपके शरीर में कम जाएगी, जिससे आप स्वस्थ रहेंगे।

चेहरे पर आएगा निखार

चीनी ज्यादा खाने से आपको ब्लैक और वाइट हेड्स के समस्या भी होती है, जिससे बचाव के लिए आप चाय में गुड़ डालकर इसका सेवन कर सकते हैं। साथ ही सर्दी में गुड़ वाली चाय पीने से चेहरे पर नेचुरल ग्लो भी आता है।

पाचन सिस्टम रखें दुरुस्त

गुड़ की चाय पीने से पाचन सिस्टम दुरुस्त होता है और सीने में जलन भी नहीं होती। दरअसल गुड़ में बहुत ही कम आर्टिफिशल स्वीटनर होता है। चीनी के मुकाबले इसमें ढेरों विटामिन और मिनरल होते हैं, जो सेहत का ख्याल रखते हैं। इस लिहाज से सर्दी में गुड़ की चाय फायदा ही करती है।

माइग्रेन में आराम

ऐसा माना जाता है कि अगर माइग्रेन या फिर सिरदर्द हो तो गाय के दूध में गुड़ की चाय बनाकर पीनी चाहिए। इससे आराम मिलता है।

खूनी की कमी दूर

गुड़ में प्रचुर मात्रा में आयरन होता है और शरीर को आयरन की जरूरत होती है क्योंकि यह शरीर के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है।

गर्म चाय के माध्यम से आपके शरीर में गुड़ तेजी से घुलता है।

जॉब इंटरव्यू के लिए खुद को करें इस तरह तैयार, फॉलो करें ये टिप्स

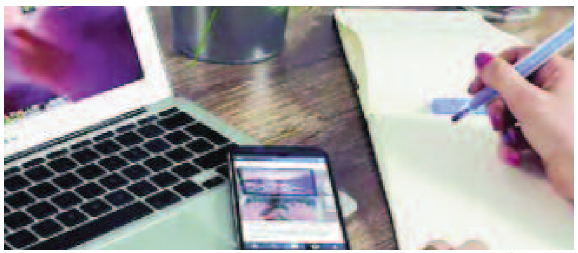

यूनिक समय, नई दिल्ली। एक अच्छी सी जॉब हर किसी के लाइफ को आसान बना देती है। इसी कोशिश में लोग लाइफ टाइम बड़ी से बड़ी डिग्रीज हासिल करते हैं और सैकड़ों जगह जॉब के लिए आवेदन करते हैं। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि हमारे पास तमाम तरह की डिग्री होने के बाद भी हम जॉब इंटरव्यू राउंड में सेलेक्ट नहीं हो पाते। हमें समझ ही नहीं आता कि आखिर इंटरव्यू में सेलेक्शन क्यों नहीं हुआ। इसकी कई बड़ी वजहें हो सकती हैं। दरअसल जिस तरह हम बाजार में किसी चीज को खरीदने के लिए मोलभाव करते हैं, उसी तरह कंपनियां भी हर तरह से इम्प्लॉई से सैटिस्फाई होने के बाद ही उन्हें चुनती हैं। आइए जानते हैं कि हम किसी भी इंटरव्यू के लिए खुद को कैसे तैयार करें कि इंटरव्यूअर के सामने हम बेस्ट कैंडिडेट के तौर पर दिखें।

कंपनी की जरूरत को समझें

सबसे पहले तो कंपनी की जरूरत को समझना बहुत जरूरी है। इसके लिए इंटरव्यू से पहले कंपनी के बारे में तमाम जानकारियां कलेक्ट करें। यह जानकारी आप कंपनी की वेबसाइट से ले सकते हैं। इसके अलावा गूगल व इंटरनेट पर यह जरूर सर्च करें कि कंपनी से संबंधित कोई खबर चल रही है या नहीं। इस तरह आप उनको समझ पाएंगे और कॉन्फिडेंट होकर इंटरव्यूअर का सामना कर पाएंगे। लिंक्डइन पर आप यहां के इंप्लाईज से बात कर जानकारी हासिल कर सकते हैं

रेज्यूमे रखें परफेक्ट

किसी भी जॉब इंटरव्यू में रेज्यूमे महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। ऐसे में अपने रेज्यूमे को बनाने में आप प्रोफेश्नल्स की मदद ले सकते हैं। रेज्यूमे के बारे में एक और महत्वपूर्ण बात– आप अपने रेज्यूमे में क्या लिख रहे हैं उससे सम्बन्धित पूछे जा सकने वाले सवालों के लिए पूरी तरह तैयार होकर जाएं। इसकी तैयारी आप घर पर भी कर सकते हैं। अगर इंटरव्यूअर आपसे किसी प्वाइंट पर बात करते हैं तो आप बेझिझक उसकी पूरी जानकारी दें। अपनी हर अचीवमेंट और गोल को यहां मेंशन करें।

टाइम का रखें ख्याल

अगर आप इंटरव्यू के दिन लेट हो जाते हैं या किसी तरह की हड़बड़ाहट होती है तो यह आपके लिए निगेटिव प्वाइंट हो सकता है। यह हमेशा याद रखें कि कहीं भी टाइम से पहले पहुंचें। यह हर तरह से आपके लिए फायदेमंद होगा। हो सके तो तैयारी एक दिन पहले ही कर लें जिससे लास्ट टाइम में कोई जल्दबाज़ी न हो और आप रिलैक्स होकर इंटरव्यू दे पाएं।

पहनावे का रखें खास ध्यान

अपने पहनावे पर जरूर ध्यान दें। फॉरमल ड्रेस पहनें। सोबर रंगों का चयन करें। इंटरव्यू के दौरान कैंडिडेट की ड्रेस पर खास प्वाइंट रखा जाता है। इससे यह पता चलता है कि कैंडिडेट इंटरव्यू के लिए कितना सीरियस है।

रिलैक्स होकर सवालों का जवाब दें

इंटरव्यू के दौरान रिलैक्स रहें और पूरा सवाल सुनकर आराम से जवाब दें। कई बार कैंडिडेट ओवर एक्साइटेड होकर जल्दी–जल्दी बोलने लगते हैं जो इंटरव्यू के लिहाज से अच्छा नहीं माना जाता इसलिए रिलैक्स होकर टू द प्वाइंट बात करें।

खुद को कैसे दिखाएं खास

खुद को बेचना सीखें। कंपनी को यह दिखाना जरूरी है कि हजारों कैंडिडेट्स में आप उनके लिए क्यों खास हैं। इंटरव्यू में यदि आपसे आपकी स्ट्रेंथ और वीकनेस के बारे में पूछा जाए तो खुल कर अपनी बात रखें। वहीं जब बात आपकी वीकनेस बताने की हो तो आप पेचीदा जवाब दे सकते हैं। जैसे काम के लिए ज्यादा डेडिकेटेड या बहुत ज्यादा हार्ड वर्किंग होना।

घर बैठे–बैठे घटा सकते हैं कई किलो वजन, बस दबाने होंगे शरीर के यह खास बिंदु

यूनिक समय, मथुरा । बढ़ते वजन से छुटकारा पाने के लिए अगर आप योगा, एक्सरसाइज, वॉक और जॉगिंग जैसे सभी विकल्प अपनाकर थक चुके हैं तो अब एक्यूप्रेशर की मदद लेकर देखिए। मोटापा घटाने और बढ़ते वजन को कम करने में एक्यूप्रेशर बेहद कमाल की भूमिका निभाता है।

दरअसल, व्यक्ति के शरीर में कुछ खास बिंदु होते हैं जिन्हें दबाने से बड़ी आसानी से कई किलो वजन कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं कौन से हैं वो खास बिंदु।

नाभि के नीचे बिंदु

नाभि के 1 इंच नीचे एक बिंदु होता है। इस बिंदु को दो अंगुलियों से 2 मिनट के लिए दबाएं या मालिश करें। ऐसा करने से न केवल गैस दूर होती है बल्कि पाचन शक्ति बेहतर होती है।

कोहनी के पास स्थित बिंदु

कोहनी के पास स्थित बिंदु को अगर दबाया जाए तो न सिर्फ शरीर का तापमान नियंत्रित होता है बल्कि यह मोटापे को कम करने में भी मदद करता है।

रोजाना 1 मिनट तक नियमित रूप से इस बिंदु को दबाने से शरीर की गर्मी और जरूरत से ज्यादा पानी निकालने में भी मदद मिलती है।

नाक और होंठ के बीच में बना बिंदु

नाक और होंठ के बीच में स्थित बिंदु को दबाने से ना सिर्फ तनाव दूर होता है बल्कि इससे मोटापे की समस्या भी दूर होती है। इस बिंदु को दबाने से तनाव संबंधित हॉर्मोन भी संतुलित रहते हैं।

कान के बीच में स्थित बिंदु

कान के बीच में स्थित बिंदु को एक्यूप्रेशर में केंद्र बिंदु भी कहा जाता है। इस बिंदु को अपनी अंगुली की मदद से 1 या 2 मिनट तक दबाने से आप अपने बढ़ते वजन को कम कर सकते हैं। इस बिंदु पर जब दबाव पड़ता है तो व्यक्ति की भूख भी नियंत्रित होती है।

घर पर ही बनाएं एकदम खस्ता नमकपारे, यह रही आसान रेसिपी

रेसिपी

नीलम गौतम

यूनिक समय, मथुरा। नमकपारे बनाने के लिए सबसे पहले इसका आटा तैयार करें। इसके लिए पहले एक परात लेकर उसमें मैदा, अजवाइन, काली मिर्च व नमक डालकर मिक्स करें। अब इसमें दो बड़े चम्मच ऑयल डालें और हाथों की मदद से मिक्स करें।

कुछ लोग नाश्ते में बिस्किट, नमकीन या नमकपारे जैसी चीजे खाना पसंद करते हैं लेकिन मार्केट से इन्हें बार-बार लाने में काफी पैसे खर्च हो जाते हैं। जबकि अगर आप चाहें तो घर पर ही नमकपारे बेहद आसानी से बनाकर कई दिनों तक स्टोर कर सकते हैं और इसका लुत्फ ले सकते हैं। इसे बनाना भी बहुत आसान है। तो चलिए जानते हैं नमकपारे बनाने की बेहद आसान विधि-

सामग्री-300 ग्राम मैदा, एक चम्मच अजवाइन, ऑयल,आधा चम्मच पिसी काली मिर्च, नमक।

विधि- नमकपारे बनाने के लिए सबसे पहले इसका आटा तैयार करें। इसके लिए पहले एक परात लेकर उसमें मैदा, अजवाइन, काली मिर्च व नमक डालकर मिक्स करें। अब इसमें दो बड़े चम्मच ऑयल डालें और हाथों की मदद से मिक्स करें। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालें और बेहद टाइट आटा तैयार करें। याद रखें कि आपका आटा सामान्य आटे से थोड़ा सख्त हो अन्यथा आपके नमकपारे क्रंची नहीं बनेंगे।

अब इसे कपड़े से ढककर कुछ देर के लिए रख दें ताकि यह सेट हो जाए।

कुछ देर बाद हाथों की मदद से इसे मसल कर एक बार अच्छी तरह तैयार करें। इसके बाद आटे को तोड़कर बड़ी-बड़ी लोइयां तैयार करें। इसी तरह सारी लोइयां तैयार करें। अब चकले पर थोड़ा–सा ऑयल लगाएं और फिर लोई को बेलें। इसे थोड़ा पतला ही बेलें। जब इसे पूरा बेल लें, तो पिज्जा कटर या चाकू की मदद से आधे-आधे इंच की लंबी लाइन लगाएं। फिर इसे डायमंड शेप में कट करें।

अब एक प्लेट लेकर तैयार किए हुए नमकपारों को उसमें रखें। इसी तरह अन्य लोई भी बेलकर तैयार करें। इसके बाद कड़ाही में ऑयल डालकर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो इसमें नमकपारे डालें और पलट-पलटकर सेंके। नमकपारों को पलट-पलटकर सेंकना आवश्यक है, अन्यथा यह एक साइड से अच्छी तरह सिक जाएंगे, जबकि दूसरी तरफ से इनका कलर लाइट रहेगा और हल्के कच्चे भी रहेंगे।

जब आपके नमकपारे तैयार हो जाएंगे तो इसमें बबल उठने बंद हो जाएंगे। याद रखें कि आपको इसे बहुत ज्यादा डार्क नहीं करना, अन्यथा यह कड़वे हो जाएंगे। बस इनके तैयार करने के बाद एक टिश्यू पेपर पर निकालें और जब यह ठंडे हो जाएं तो आप इन्हें किसी एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करके भी रख सकते हैं। चूंकि यह जल्दी खराब नहीं होते, इसलिए एक बार तैयार करने के बाद आप कई दिनों तक चाय के साथ इसका लुत्फ उठा सकते हैं।

सम्पादकीय

चिंताजनक है मासिक धर्म को लेकर संवेदनहीन रवैया

मासिक धर्म हर महिला के जीवन का एक सामान्य और प्राकृतिक हिस्सा है। ऐसे दिनों में शिक्षण संस्थाओं में भी सैनिटरी पैड छात्राओं की बुनियादी जरूरत है। स्कूलों में सैनिटरी पैड की व्यवस्था भी जरूरी है। लेकिन सैनिटरी पैड मांगने पर जब किसी छात्रा को न सिर्फ अपमानित होना पड़े बल्कि सजा के तौर पर एक घंटे तक कक्षा के बाहर खड़ा रहना पड़े तो स्कूल प्रबंधन की संवेदनहीनता ही उजागर होती है। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक बालिका विद्यालय में ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा को ऐसी ही परिस्थिति से दो–चार होना पड़ा और परीक्षा के दौरान सैनिटरी पैड मांगने पर उसे सजा भुगतनी पड़ी।

पवन गौतम
संपादक

शर्मसार करती ऐसी घटनाएं न केवल नैतिकता का उल्लंघन है, बल्कि शिक्षा के बुनियादी सिद्धांतों के विपरीत भी है। ऐसा इसलिए भी कि स्कूल और कॉलेज केवल शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान ही नहीं हैं। वे बच्चों के सामाजिक और नैतिक विकास के लिए भी उत्तरदायी हैं। एक शिक्षक का कर्तव्य है कि वह वक्त–बेवक्त अपने शिष्य वर्ग की जरूरतों को समझे और उनके प्रति सहानुभूति रखे। छात्रा को अपमानित करना न केवल अनुचित था, बल्कि यह उसके मानसिक स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव डालने वाला है। साफ जाहिर है कि समाज और शैक्षणिक संस्थानों में मासिक धर्म स्वच्छता और जागरूकता को बढ़ाने के लिए अभी भी बहुत प्रयास करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने भी केंद्र सरकार को सरकारी और सहायता प्राप्त सरकारी स्कूलों में जाने वाली कक्षा 6 से 12 तक की छात्राओं के लिए मासिक धर्म स्वच्छता नीति तैयार करने के निर्देश दिए थे। उत्तर प्रदेश सरकार का दावा है कि वह बालिकाओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए पीएमश्री योजना के तहत करीब 535 विद्यालयों में सैनिटरी पैड उपलब्ध करवा रही है। कुछ अन्य राज्य सरकारें भी छात्राओं को मुफ्त में सैनिटरी पैड उपलब्ध करवा रही हैं, लेकिन जरूरत के वक्त छात्राओं को यह आसानी से मिल जाए, यह सुनिश्चित करना ज्यादा जरूरी है। होना तो यह चाहिए कि शैक्षणिक संस्थानों में मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित अभियान चलें। स्कूलों में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनों और इनके लिए इनसिनरेटर (जलाने की मशीन) की व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि छात्राओं को बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष न करना पड़े।मासिक धर्म जैसे प्राकृतिक विषय को शर्म या उपेक्षा का कारण नहीं बनने देना चाहिए। शैक्षणिक संस्थानों को सुरक्षित माहौल प्रदान करना चाहिए, जहां छात्राएं अपनी जरूरतों को बिना झिझक व्यक्त कर सकें।

नजरिया

दलित–ओबीसी मतदाता बनाएंगे दिल्ली में सरकार

रमेश सर्राफ धमोरा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार दलित, जाट व गुर्जर मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने जा रही है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए वोट डालने में अब कुछ दिनों का समय ही शेष रह गया है। वहां चुनाव प्रचार पूरे शबाब पर है। सभी दलों के बड़े नेता अपनी–अपनी पार्टी प्रत्याशियों को जीताने के लिए जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। पूरी दिल्ली में चुनावी चौसर बिछी हुई है। सट्टा बाजार में राजनीतिक दलों की हार–जीत के बड़े–बड़े दावे किए जा रहे हैं। दिल्ली में किसकी सरकार बनेगी इसका पता तो 8 फरवरी को मतगणना के बाद ही चल पाएगा।

मगर दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बड़ी कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। एक तरफ जहां सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) चौथी बार सरकार बनाने के प्रयास में लगी हुई है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भी चाहती है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में उनकी पार्टी की सरकार बने ताकि केंद्र व राज्य का झगड़ा समाप्त हो। कहने को तो दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश है। यहां की सरकार व मुख्यमंत्री के पास अन्य प्रदेशों की तरह पूरे अधिकार नहीं होते हैं। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री होना अपने आप में बड़ी बात है। दिल्ली से ही देश की सरकार चलती है। ऐसे में दिल्ली में जो सरकार बनती है उसके महत्व को नकारा नहीं जा सकता है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार दलित, जाट व गुर्जर मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होने जा रही है। दिल्ली में 12 विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां करीबन 18 प्रतिशत दलित मतदाता है। दिल्ली की आरक्षित 12 सीटों के अलावा 18 और ऐसी विधानसभा सीटे हैं जहां दलित मतदाताओं की संख्या 15 प्रतिशत से अधिक है। ऐसे में दिल्ली की 30 विधानसभा सीटों पर दलित मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है।

दिल्ली में बवाना, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, करोल बाग, पटेल नगर, मादीपुर, देवली, अंबेडकर नगर, त्रिलोकपुरी, कोंडली, सीमापुरी, गोकलपुर विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। इसके अलावा करीबन 15 से 20 अन्य ऐसी सीटें है जहां दलित मतदाता निर्णायक भूमिका में रहते हैं। इसलिए दिल्ली विधानसभा की 70 में से करीबन 30 सीटों पर दलित मतदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। 2020 के विधानसभा चुनाव में सभी 12 आरक्षित सीटों पर आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों ने चुनाव जीता था। इसलिए आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस दलित मतदाताओं पर है। दिल्ली के अनुसूचित जाति के मतदाताओं में से 38 फीसदी जाटव और 21 फीसदी वाल्मीकि है।

पिछले लोकसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के मतदाताओं के लिए देश भर में आरक्षित 84 लोकसभा सीटों में से भाजपा मात्र 30 सीट पर ही चुनाव जीत पाई थी। इंडिया गठबंधन के भाजपा द्वारा संविधान बदलने के नारे के कारण दलित मतदाता भाजपा से छिटककर विपक्षी खेमे में चले गए थे। इसी तरह दिल्ली में भी पिछले दो विधानसभा चुनाव में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी 12 सीटों पर आम आदमी पार्टी लगातार जीतती आ रही है। इसलिए अनुसूचित जाति के मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा व कांग्रेस इस बार के चुनाव में पूरा जोर लगा रही है।

भाजपा ने 12 आरक्षित सीटों के अलावा दो सामान्य सीटों मटिया महल से दीप्ति इंदौरा व बल्लीमारन से कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है। इस तरह भाजपा ने कुल 14 सीटो पर दलित उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने भी नरेला से अनुसूचित जाति की अरुणा कुमारी को टिकट देखकर कल 13 सीटों पर दलित प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है। भाजपा व कांग्रेस की रणनीति है कि दलित मतदाताओं को आम आदमी पार्टी से दूर किया जाए। आम आदमी पार्टी ने 12 आरक्षित सीटों पर ही अनुसूचित जाति के प्रत्याशियों को टिकट दी है। हरियाणा व महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एक बार फिर दलित मतदाताओं का रुझान भाजपा की तरफ होने के चलते वहां भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी। इसी से उत्साहित होकर भाजपा अनुसूचित जाति के मतदाताओं की बहुलता वाली सीटों पर विशेष चुनावी प्रबंधन कर चुनावी रणनीति बना रही है।

दिल्ली में जाट मतदाताओं की बहुलता वाली 10 सीटों महरौली, मुंडका, रिठाला, नांगलोई, मटियाला, पालम, नरेला, विकासपुरी, नजफगढ़ व बिजवासन पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। इस बार भाजपा आम आदमी पार्टी से इन सभी 10 सीटों को छीन कर अपनी वापसी का प्रयास कर रही है।

भाजपा ने इस बार करीबन 14 टिकट जाट नेताओं को दी है। जिनमें पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा नई दिल्ली से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। वही आप सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे कैलाश गहलोत भी बीजेपी टिकट पर बिजवासन से चुनाव लड़ रहे हैं।

कैलाश गहलोत के भाजपा में जाने से आप के पास कोई बड़ा जाट नेता नहीं रह गया है जो जाट मतदाताओं को आप पार्टी से जोड़े रख सके। जबकि भाजपा ने पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को अरविंद केजरीवाल के सामने खड़ा कर दिल्ली के चुनाव को रोचक बना दिया है।

दिल्ली में गुर्जर मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है। इनके प्रभाव वाली छतरपुर, मुस्तफाबाद, तुगलकाबाद, घोंडा, गोकुलपुरी, ओखला पर आम आदमी पार्टी का कब्जा है। वहीं बदरपुर, करावल नगर व पालम पर भाजपा का कब्जा है। दिल्ली के पूर्व सांसद व बड़े गुर्जर नेता रमेश बिधूड़ी को भाजपा ने मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना के खिलाफ चुनाव मैदान में उतार कर चुनाव को रोचक बना दिया है।

दिल्ली में मदनलाल खुराना व साहिब सिंह वर्मा के बाद हमेशा बाहरी व्यक्ति ही मुख्यमंत्री बनता रहा है। सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित, अरविंद केजरीवाल, अतिशी मार्लेना जैसे लोग दिल्ली के मूल निवासी नहीं है। इसलिए दिल्ली के लोग चाहते हैं कि अब की बार दिल्ली का ही रहने वाला नेता दिल्ली का मुख्यमंत्री बने ताकि उसे दिल्ली की असली नब्ज व समस्याओं की बखूबी जानकारी हो। जाट मतदाता चाहते हैं कि साहिब सिंह वर्मा के बाद एक बार फिर उनके बेटे प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाया जाए ताकि दिल्ली का सर्वांगीण विकास हो सके। वही गुर्जर मतदाता रमेश बिधूड़ी को मुख्यमंत्री बनाने की का मांग कर रहे हैं।

कहने को तो कांग्रेस भी पूरी सक्रियता से चुनाव लड़ रही है। मगर इंडिया गठबंधन में उनके साथी दलों द्वारा आम आदमी पार्टी को समर्थन देने के बाद कांग्रेस का मनोबल कमजोर हुआ है। इसी के चलते कांग्रेस का चुनाव प्रचार भी ज्यादा गति नहीं पकड़ पाया है। ऐसे में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के मध्य माना जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जो संघर्ष देखने को मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार मुकाबला नेक टू नेक होने की पूरी संभावना नजर आ रही है। सभी दलो द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिये बड़ी–बड़ी धोषणा की जा रही है।

पिछले लोकसभा चुनाव का ट्रेंड देखकर तो यही लगता है कि इस बार भाजपा, आप व कांग्रेस में से कौन सी पार्टी सरकार बनायेगी यह कोई नहीं बता सकता है। इसका फैसला तो वोट डालकर दिल्ली के मतदाता ही करेंगे। जिस पार्टी के पक्ष में दिल्ली के मतदाता मतदान करेंगे। वही पार्टी दिल्ली में सरकार बनाएगी।

विचार–विंडो

फर्नेस ऑयल और पिटकोक ईंधन बन रहा मौत का वाहक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

वायु प्रदूषण में पीपीएम का मतलब साफ है कि हवा में गैस के प्रति मिलियन भाग है। रसायन विज्ञान में वायुमण्डल के गैसों की सांद्रता को बताने के लिए पीपीएम का प्रयोग किया जाता है। फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईंधन के रुप में उपयोग से नदी–नालें, जलवायु, पेड़–पौधें, यहां तक की पशु पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं।

प्रदूषण को लेकर दुनिया में भले ही कितनी भी चिंता व्यक्त की जाती हो, कितने ही बड़े बड़े सम्मेलन होते हो, दुनिया के देशों के प्रमुखों द्वारा कितनी ही साझा बैठकें कर चिंता व्यक्त की जाती हो, कितनी ही गंभीरता का ताना–बाना बुना जाता हो पर धरातल पर देखे तो परिणाम बेहद चौंकाने वाले और गंभीर चिंता का कारण है। स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर की 2024 की रिपोर्ट की ही माने तो वायु प्रदूषण अकारण मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण बनता जा रहा है। ग्लोबल एयर की ही रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में सालाना 81 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण मौत का शिकार हो जाते हैं। यदि भारत की ही बात करें तो सालाना 21 लाख लोग वायु प्रदूषण के कारण अपनी जिंदगी की जंग हार जाते हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि दुनिया के देशों में होने वाली 8 मौतों में से एक मौत का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण है।

ऐसा नहीं है कि सरकारें या न्यायालय या विश्व के राजनेता इससे चिंतित नहीं हो, अपितु लाख गंभीरताओं के बावजूद जो परिणाम सामने आ रहे हैं वह कहीं ना कहीं हमारी व्यवस्था की पोल खोल कर ही रख रहे हैं। अब भारत की ही बात की जाए तो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2017 में एक जनहित याचिका पर निर्णय करते हुए फर्नेस ऑयल और पिटकोक के उपयोग पर रोक लगा दी गई। खासतौर से एनसीआर से जुड़े प्रदेशों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तरप्रदेश में यह रोक लगाई गई। इसी के क्रम में उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र सहित देश के अनेक प्रदेशों में इसको लेकर गाईड लाईन जारी की जा चुकी है। पर इस सबके बावजूद पेट्रोलियम प्लानिंग एण्ड एनालिसिस सेल के आंकड़े साफ साफ चिढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं।

इस साल ही अप्रैल, 24 से दिसंबर, 24 तक के आंकड़ें बताते हैं कि रोक व सख्ती के बावजूद नौ माह में ही 49 लाख 95 हजार मैट्रिक टन फर्नेस ऑयल और एलएसएचएस का घरेलू उपयोग हुआ है। इसी तरह से पिटकोक का उपयोग 161 लाख 12 हजार मैट्रिक टन रहा है। तस्वीर का एक पहलू यह है कि 1997–98 में देश में 114 लाख 94 हजार मैट्रिक टन फर्नेस ऑयल और एलएसएचएस का उपभोग हो रहा था वहीं 1997–98 में 2 लाख 77 हजार मैट्रिक टन पिटकोक का उपभोग हो रहा था। इसके बाद हांलाकि फर्नेस ऑयल व अन्य के उपयोग में उतार चढ़ाव रहा है पर जहां तक पिटकोक के उपयोग में बेतहासा बढ़ोतरी हुई है। खासतौर से रियल एस्टेट ने पिटकोक के उपयोग को कई गुणा बढ़ा दिया है वहीं पिछले कुछ सालों से फर्नेस ऑयल व एलएसएचएस का उपयोग में कोई खास कमी नहीं आ रही है। बल्कि सारी बात साफ होती जा रही है कि वायु प्रदूषण में प्रमुख भूमिका निभा रहे इन दोनों ईंधनों के उपयोग पर जो कार्रवाई न्यायालय के आदेशों की भावना और एनजीटी के प्रयासों से होना चाहिए था वह कम से कम धरातल पर तो दिखाई नहीं दे रही है।

दरअसल देखा जाए तो फर्नेस ऑयल व पिटकोक गैर नवीकरणीय जीवाश्म ईंधन है। विशेषज्ञों का तो यहां तक मानना है कि इनका अनुचित स्टोरेज तक भूमि और भूजल दोनों को नुकसान पहुंचाने वाला है। जब स्टोरेज करने मात्र से नुकसान पहुंचाने वाला है तो इस ईंधन को जलाने से कितना नुकसान हो सकता है इसकी गंभीरता को आसानी से समझा जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि फर्नेस ऑयल के ईंधन के रुप में उपयोग से ग्रीन हाउस में हानिकारक कण फैलते हैं और देखा जाए तो हवा में जहर घुलने लगता है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिटकोक और फर्नेस ऑयल में सल्फर हैं। पेटकोक में 65 हजार से 75 हजार पीपीएम और फर्नेस ऑयल में 22 हजार पीपीएम स्तर है। वायु प्रदूषण में पीपीएम का मतलब साफ है कि हवा में गैस के प्रति मिलियन भाग है। रसायन विज्ञान में वायुमण्डल के गैसों की सांद्रता को बताने के लिए पीपीएम का प्रयोग किया जाता है। फर्नेस ऑयल या पिटकोक के ईंधन के रूप में उपयोग से नदी–नालें, जलवायु, पेड़–पौधें, यहां तक की पशु पक्षी भी प्रभावित हो रहे हैं। जहां तक आम आदमी की बात है तो फर्नेस ऑयल के ईंधन के रुप में उपयोग से वायु प्रदूषण तो होता ही है साथ ही सीधे सीधे यह हमारें फेफड़ों को प्रभावित करता है। इससे फेफड़ों की क्षमता कम होने के साथ ही सांस जनित रोग यहां तक की फेफड़ों के कैंसर की संभावनाएं तेजी से बनती है। दमा, क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जिसे सीओपीडी भी कहते हैं और फेफड़ों के कैंसर की संभावना बन जाती है। इसके साथ ही इससे जुड़ी अन्य गंभीर बीमारियां जकड़ने लगती है।

यह सब जानकारी में होने के बावजूद फर्नेस ऑयल या पिटकोक जिसे पेट्रोलियम कोक भी कहते हैं के उपयोग में जिस तरह से कमी आनी चाहिए थी या जिस तरह से इनके विकल्प के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए था वह हो नहीं पाया और सब कुछ होने और सरकार के पास आंकड़े होने के बावजूद इनके उपयोग पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है।

दरअसल सस्ता ईंधन होने के कारण फर्निस ऑयल आदि का उपयोग इण्डस्ट्रीज में तो हो ही रहा है मेट्रो सिटीज ही नहीं बल्कि अब तो छोटे बड़े शहरों में भी होटलों, ढ़ाबों, रेस्ट्राओं, बड़े चाट–पकोड़ी आदि फास्ट फूड बनकार बेचने वालों द्वारा आम होता जा रहा है।

मजे की बात यह है कि फर्नेस ऑयल जैसे वायु प्रदूषण का कारक और स्वास्थ्य के लिए अति गंभीर ईंधन का उपयोग हो रहा है और इसकी पुष्टि पेट्रोलियम प्लानिंग एण्ड एनालिसिस सेल के आंकड़ें सिद्ध कर रहे हैं।

ऐसे में एनजीटी, राज्यों के पर्यावरण मंत्रालय, पर्यावरण क्षेत्र में कार्य कर रहे सरकारी और गैर सरकारी संगठनों को सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। एक और जहां अवेयरनेस की आवश्यकता है तो फर्नेस ऑयल का उपयोग करने वालों को समझाइस के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर सख्ती भी करनी होगी। एक और देश ग्रीन एनर्जी और ईंधन के रूप में एलपीजी से भी एक कदम आगे सीएनजी और पीएनजी की और तेजी से आगे बढ़ रहा हैं वहीं कुछ लोग निजी लाभ के चक्कर में वायु प्रदूषण फैलाकर सीधे आमआदमी के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले ईंधन फर्नेस ऑयल और पिटकोक आदि का सरेआम उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में सरकार और गैरसरकारी संस्थाओं का दायित्व हो जाता है कि वह आगे आएं और इनके प्रयोग को हतोत्साहित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। यह समय की मांग और प्रकृति को विकृत होने से बचाने के लिए भी आवश्यक हो जाता है।

सुविचार

किसी के मीठे बोल है।
किसी की नीयत में
झोल है, साहब !
ये दुनिया गोल है यहां ये
सबके डबल रोल है।

कल का पंचांग

तिथि प्रतिपदा	06:05-04:10 तक	पक्ष	शुक्ल
नक्षत्र श्रवण	08:20-07:15 तक	माह	माघ
सूर्योदय	7:10 AM	चन्द्रोदय	07:47 AM
सूर्यास्त	5:54 PM	चंद्रास्त	06:54 PM
सूर्य राशि	मकर राशि	चंद्र	कुंभ राशि
शुभ मुहूर्त अभिजीत	12:10 PM –12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	05:36-06:24
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2081
राहुकाल	01:52PM–03:13PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

यहाँ से कूदे थे
श्री कृष्ण
कालिया पर
14:04

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

आप ये गलतियां भूलकर भी न करें

बड़े से बड़ा धनवान भी इन कामों को करने से हो जाता है कंगाल

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य के बारे में लगभग सभी लोग जानते हैं। वे एक महान राजनीतिज्ञ होने के साथ–साथ अर्थशास्त्री थे। उन्होंने अपनी नीतियों में धन से जुड़ी अनेक बातें बताई हैं, जो आज के समय में भी प्रासंगिक हैं। आचार्य चाणक्य के द्वारा लिखित नीतिशास्त्र में जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं धन, समाज, रिश्ते, निजी जीवन, कार्यक्षेत्र आदि के संबंध में महत्वपूर्ण बातें बताई गई हैं। आचार्य चाणक्य ने अपनी एक नीति में उन कामों के बारे में बताया है, जिन्हें करने से बड़े से बड़ा धनवान ने जल्दी ही गरीब बन जाता है। हमें ऐसी गलतियां नहीं करना चाहिए।

धन को गलत जगह लगाने वाले

आचार्य चाणक्य के अनुसार, कुछ लोग धन का उपयोग अपने परिवार के पालन–पोषण के साथ–साथ दूसरों की भलाई में भी लगाना चाहिए। इसके बाद जो धन बच जाए उसका निवेश करना चाहिए ताकि बुरे समय में हमारे काम आ सके। लेकिन भूलकर भी कभी पैसों का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए जैसे जुआं, सट्टा आदि में। जिन लोगों को ये लत लग जाती है वे भले ही कितने अमीर क्यों न हो, बहुत जल्दी कंगाल हो जाते हैं।

धन का गलत इस्तेमाल करने वाले

धन का उपयोग हमेशा दूसरों की भलाई के लिए करना चाहिए न कि उनका अहित करने के लिए। कुछ लोग धन के नशे में इतने चूर हो जाते हैं कि वे इसका उपयोग दूसरों का अहित करने में करने लगते हैं। ऐसे लोगों से देवी लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं और जल्दी ही वहां से चली जाती हैं। ऐसे लोग देखते ही देखते कंगाली की कगार पर पहुंच जाते हैं। लोगों को भी इनसे कोई हमदर्दी नहीं होती।

धन की बचत न करने वाले

कुछ लोगों का स्वभाव बहुत खर्चीला होता है, वे जितना भी पैसा कमाते हैं, उतना ही खर्च भी कर देते हैं। ऐसे में इनके पास बचत के नाम पर कुछ भी नहीं रहता। जबकि व्यक्ति को अपने भविष्य और बुरे समय के लिए धन बचाकर रखना चाहिए। जो लोग पैसा आने पर उसे सही तरीके से खर्च नहीं करते और बिना सोचे समझे अपने शौक पूरे करते हैं। ऐसे लोगों के पास कभी भी धन नहीं रहता है और ये भी कंगाल हो जाते हैं।

रोज सुबह करें ये काम,दुर्भाग्य बदल जाएगा सौभाग्य में

यूनिक समय, मथुरा। हमारे धर्म ग्रंथों में कुछ ऐसे काम बताए गए हैं जो रोज सुबह करने से हमारा दुर्भाग्य दूर हो सकता है। ये काम बहुत आसान हैं, जिन्हें कोई भी कर सकता है।

ये काम लगातार सुबह करते रहने से भगवान की कृपा हम पर बनी रहती है और बेड लक भी गुड लक में बदल जाता है। बस जरूरत है तो भगवान पर विश्वास रखने की। इन कामों से ग्रहों का अशुभ प्रभाव भी कम हो जाता है। आगे जानिए कौन–से हैं वो काम.....

सुबह उठते ही ये मंत्र बोलें–

धर्म ग्रंथों के अनुसार, हमारी हथेलियों में ही लक्ष्मी, सरस्वती और भगवान विष्णु का स्थान है। इसलिए रोज सुबह उठते ही सबसे पहले अपने हाथों की हथेलियों को जोड़कर कुछ देर देखें और ये मंत्र बोलें। इससे आपका बेड लक दूर हो सकता है।

कराग्रे वसते लक्ष्मीः करमध्ये सरस्वती। कलमूले तु गोविंदः प्रभाते करदर्शनम्।।

रोज सुबह सूर्य को अर्घ्य दें

सूर्यदेव को ग्रहों का राजा कहा जाता है और ये ग्रह पितरों से सबंधित है।

रोज सुबह स्नान आदि करने के बाद तांबे के लोटे से सूर्यदेव को जल चढ़ाने से पितरों का आशीर्वाद हमें प्राप्त होता है। ऐसा करने से पितृ व ग्रहों के दोष भी खत्म होते हैं। ये काम भले ही बहुत साधारण है, लेकिन इसका प्रभाव बहुत चमत्कारी होता है।

गायत्री मंत्र का जाप करें

हिंदू धर्म ग्रंथों में अनेक मंत्र बताए गए हैं। गायत्री मंत्र भी इनमें से एक है, लेकिन इस मंत्र का महत्व सबसे अधिक बताया गया है। रोज सुबह स्नान आदि करने के बाद इस मंत्र का जाप करने से पॉजिटिविटी बढ़ती है और हर तरह की परेशानी दूर हो सकती है।

मंत्र– ऊंभूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्।

तुलसी को दीपक लगाएं

पुरातन समय से ही तुलसी पूजा हमारे दैनिक जीवन का अंग रहा है। तुलसी को परम पवित्र पौधा माना गया है। रोज सुबह इसकी पूजा करने और शुद्ध घी का दीपक लगाने से दुर्भाग्य दूर होता है और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। तुलसी को दीपक लगाने से घर में पॉजीटिव एनर्जी बनी रहती है और नेगेटिव एनर्जी घर में प्रवेश नहीं कर पाती।

इस दिन भूलकर भी न खरीदें झाड़ू, नहीं तो घर में छा जाएगी कंगाली

यूनिक समय, मथुरा। मान्यताओं के अनुसार, झाड़ू में मां लक्ष्मी का वास होता है इसलिए इसका इस्तेमाल करने से पहले कुछ नियमों का ध्यान रखना जरूरी होता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, झाड़ू इस दिन नहीं खरीदनी चाहिए।

सोमवार : मान्यताओं के अनुसार, झाड़ू सोमवार को कभी भी नहीं खरीदनी चाहिए। क्योंकि सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है। साथ ही इस दिन नया झाड़ू भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

शुक्ल पक्ष : झाड़ू कभी भी शुक्ल पक्ष में भी नहीं खरीदना चाहिए। इससे आपको आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है और इस दिन झाड़ू खरीदना दुर्भाग्य का सूचक माना जाता है।

रविवार : रविवार का दिन भगवान सूर्य का माना जाता है। इस दिन भगवान सूर्य की आराधना करने से घर में सुख–समृद्धि रहती है। इस दिन झाड़ू खरीदने से घर में परेशानियां आ सकती हैं। इसलिए रविवार के दिन झाड़ू नहीं खरीदनी चाहिए।

शनिवार : शनिवार के दिन भी झाड़ू नहीं खरीदनी चाहिए। इससे आपको आर्थिक हानि का सामना करना पड़ सकता है। शनिवार का दिन भगवान शनि देव का माना जाता है। इस दिन झाड़ू खरीदने या फेंकने से शनि दोष लग सकता है।

ऐसी जगह पर रखें झाड़ू : झाड़ू को घर में हमेशा छुपाकर ही रखना चाहिए। ऐसी जगह पर झाड़ू बिल्कुल नहीं रखना चाहिए, यहां पर किसी बाहरी व्यक्ति की नजर पड़े।

न लगाएं झाड़ू को पैर : झाड़ू को पैर नहीं लगाना चाहिए। क्योंकि इसकी पूजा की जाती है ऐसे में घर में पैर लगाकर झाड़ू का अपमान न करें।

इस दिशा में कभी न लगाएं एलोवेरा का पौधा?

यूनिक समय, मथुरा। अक्सर हम लोगों के घरों में एलोवेरा का पौधा देखते हैं। लेकिन बहुत ही कम लोग इसके सही गुणों को पहचानते हैं। एलोवेरा एक ऐसा पौधा है, जिसे अधिक देखभाल की जरूरत नहीं होती, लेकिन इसे सही स्थान पर लगाना जरूरी होता है। यह पौधा सूरज की हल्की रोशनी और ताजगी भरी हवा में बेहतर रूप से विकसित होता है। यह एक ऐसा पौधा होता है, जो अपने औषधीय गुणों के साथ–साथ ज्योतिषीय लाभों के लिए भी प्रसिद्ध है। ऐसी मान्यता है इसे घर में सही स्थान पर लगाने से सकारात्मक ऊर्जा और सुख–शांति भी प्राप्त होती है। लोग अपने घर या ऑफिस में इस पौधे को कहीं भी उगा देते हैं।

इसे लगाने के लिए सही दिशा का पता होना बहुत जरूरी होता है। अगर आप भी अपने घर या बगीचे में एलोवेरा लगाना चाहते हैं, तो आपके लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि इसे किस स्थान पर उगाना सबसे अच्छा रहेगा। वास्तु और ज्योतिष के अनुसार, एलोवेरा का पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाने और परिवार के बीच आपसी समरसता बनाए रखने में सहायक माना जाता है। सही जगह पर इसे लगाने से आपको न केवल औषधीय लाभ मिलेंगे, बल्कि आपके जीवन में सुख–शांति भी बनी रहेगी। तो आइए जानते हैं कि एलोवेरा का पौधा कहां लगाना चाहिए और इससे जुड़े ज्योतिषीय लाभ क्या हैं?

एलोवेरा का पौधा केवल सुंदरता ही नहीं बढ़ाता, बल्कि इसके औषधीय गुण भी बहुत फायदेमंद होते हैं। इसका रस त्वचा और बालों के लिए बेहद फायदेमंद है। इसके अलावा, यह पौधा हवा को साफ करने में भी मदद करता है, जिससे आपके घर का वातावरण शुद्ध और स्वस्थ रहता है। वास्तु और ज्योतिष में एलोवेरा के पौधे को बहुत लाभकारी माना जाता है। यह पौधा घर में सुख–समृद्धि लेकर आता है। इससे आपकी मानसिक शांति और सकारात्मकता प्राप्त होती है। आपका तनाव भी इससे दूर हो जाता है। अगर आप अपने घर में एलोवेरा का पौधा लगाते हैं तो आपको नकारात्मक ऊर्जाओं से मुक्ति मिलती है। इसकी सकारात्मक ऊर्जा से आपको प्रेम, प्रगति, धन, तरक्की और प्रसिद्धि मिलती है। यह घर से सभी तरह की बाधाओं को दूर करने में सहायक होता है। चलिए एलोवेरा के पौधे से जुड़े वास्तु टिप्स जानते हैं।वास्तु शास्त्र में बताया जाता है कि एलोवेरा का पौधा बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जिन लोगों को धन संबंधी समस्याएं हैं या कोई आर्थिक संकट है तो आपके लिए एलोवेरा का पौधा बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। हालांकि इसके लिए एलोवेरा के पौधे को उचित दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। अगर आप आर्थिक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको एलोवेरा के पौधे को उत्तर पूर्व दिशा में लगाना चाहिए। इससे आपके घर में खुशहाली आएगी और सुख–समृद्धि की प्राप्ति होगी। अक्सर पौधों के रख–रखाव में आप लापरवाही कर देते हैं। आप कभी टूटे गमले में पौधे लगा देते हैं तो कभी गमला समय के साथ टूट जाता है। ऐसे में कई बार लोग इस बात पर ध्यान नहीं देते हैं। हालांकि आपको इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि एलोवेरा को किसी टूटे गमले में न लगाएं। वरना आपको वास्तु दोष लग सकता है।

टूटे गमले में एलोवेरा पौधे को लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो जाता है। अगर आप चाहते हैं कि आपके घर का माहौल अच्छा रहे और पारिवारिक कलह से छुटकारा मिल जाए तो आपको वास्तु शास्त्र के अनुसार, पूर्व दिशा में एलोवेरा का पौधा जरूर लगाना चाहिए। इससे घर का माहौल सकारात्मक रहेगा।

जो लोग किसी शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित हैं, उन लोगों के लिए भी यह पौधा बहुत ही फायदेमंद होता है। ऐसे घर में एलोवेरा का पौधा होना, आपके लिए दवा का काम करता है। अच्छी सेहत और मानसिक तनाव से मुक्ति पाने के लिए यह पौधा दवा के रूप में काम करता है। इसके लिए आपको घर की पश्चिम दिशा में एलोवेरा का पौधा लगाना चाहिए। इससे जीवन के कष्ट धीरे–धीरे दूर हो जाते हैं।

यूनिक समय
मथुरा, बुधवार, 29 जनवरी 2025

महाकुंभ में भगदड़ से एसएसपी का इनकार

बोले–ज्यादा भीड़ से लोग चोटिल, अफवाहों से बचें

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज कुंभ मेला में भगदड़ की घटना पर यूपी पुलिस का बयान सामने आया है। कुंभ मेला के एसएसपी ने भगदड़ की घटना से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि कोई भगदड़ नहीं हुई थी। सिर्फ भीड़भाड़ थी जिसके कारण कुछ श्रद्धालु घायल हो गए। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या के मौके पर भगदड़ मच गई। हादसे में 20 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताया है। वहीं, सीएम योगी आदित्यनाथ हालात पर नजर बनाए हुए हैं। लेकिन इन सबके बीच कुंभ मेला के एसएसपी राजेश द्विवेदी का चौंकाने वाला बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि कोई भगदड़ नहीं हुई थी। सिर्फ भीड़भाड़ थी जिसके कारण कुछ श्रद्धालु घायल हो गए। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

राजेश द्विवेदी ने कहा, कोई भगदड़ नहीं हुई थी। सिर्फ भीड़भाड़ थी जिसके कारण कुछ श्रद्धालु घायल हो गए।

स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होंने आगे कहा कि कई घाट विकसित किए गए हैं और लोग आसानी से उन घाटों में डुबकी लगा रहे हैं। मेरे पास हताहतों या घायलों की संख्या नहीं है।

वहीं, महाकुंभ के एसएसपी वैभव कृष्ण ने कहा कि 10 करोड़ से अधिक भक्तों के आने की उम्मीद के कारण हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन सभी अखाड़ों को उनके पारंपरिक जुलूसों में मदद करेगा। स्थिति नियंत्रण में है। आज सुबह की घटना के कारणों पर गौर करें तो यह 10 करोड़ से अधिक भक्तों के आने की उम्मीद की वजह से हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना के बाद लखनऊ में एक उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि बैरिकेड्स फांदकर आने की कोशिश में कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री ने राजधानी लखनऊ में प्रदेश के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, गृह विभाग के प्रमुख सचिव तथा अपर पुलिस महानिदेशक (कानून–व्यवस्था) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

आदित्यनाथ ने कहा, प्रातः काल से ही श्रद्धालुजन स्नान कर सकें, इसके लिए यहां पर हम लोगों की उच्च स्तरीय बैठक चल रही है। उन्होंने बताया, प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। रात में एक से दो बजे के बीच अखाड़ा मार्ग पर जहां से अमृत स्नान की दृष्टि से बैरिकेड्स लगाए गए थे, उन बैरिकेड्स को फांदकर आने में कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उपचार की व्यवस्था की गई है। उनमें से कुछ श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हैं।

प्रदेश सरकार के मुताबिक, मौनी अमावस्या के लिए आठ से 10 करोड़ लोगों के स्नान करने की संभावना है। अमृत स्नान (पूर्व में शाही स्नान) महाकुंभ मेले का सबसे पवित्र और सबसे बड़ा स्नानपर्व होता है जिसमें दुनियाभर से लाखों की संख्या में श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने के लिए आते हैं। अमृत स्नान का मुख्य आकर्षण विभिन्न अखाड़ों के साधुओं का स्नान होता है।

मौनी अमावस्या पर अब तक 4 करोड़ लोगों ने किया अमृत स्नान

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाकुंभ का भव्य आयोजन प्रयागराज में किया गया है। मौनी अमावस्या पर 10 करोड़ लोगों के आने की संभावना जताई गई है। वहीं अबतक 3.61 करोड़ लोग अमृत स्नान कर चुके हैं।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का भव्य आयोजन किया गया है। मौनी अमावस्या के अवसर दूसरे अमृत स्नान के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। इस बीच सुबह से लेकर अब तक कुल 3.61 करोड़ श्रद्धालु अमृत स्नान कर चुके हैं। बता दें कि आज 8 से 10 करोड़ लोग अमृत स्नान करने वाले हैं, प्रशासन को ऐसा अनुमान है। वहीं अबतक कुल 19.94 करोड़ महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं। बता दें कि मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ क्षेत्र में मची भगदड़ में कई लोग घायल हो गए हैं। इस

मामले पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उन्होंने लोगों से अपील की कि जो श्रद्धालु जहां हैं, अपने पास के घाट पर ही स्नान करें।

बता दें कि मौनी अमावस्या के मद्देनजर प्रयागराज में श्रद्धालुओं का आना जारी है। इस बीच इस भारी भीड़ से निपटने के लिए रेलवे ने इवेकुएशन प्लान भी बनाया है।

दरअसल रेलवे की तरफ से फिलहाल कोई भी स्पेशल ट्रेन रद्द नहीं की गई है। रेलवे ने प्रयागराज से इवेकुएशन प्लान बनाया है जिसके तहत कई खाली ट्रेनें प्रयागराज भेजी जा रही हैं। इसका मकसद है कि करीब 4 मिनट के अंतराल में एक ट्रेन चलाई जा सके और जल्द से जल्द संगम से जुड़े रेलवे स्टेशन से लोगों को लेकर जाया जा सके।

प्रयागराज में जारी महाकुंभ में स्थिति को सामान्य करने की योजना के तहत रेल मंत्रालय की ओर से भी जानकारी साझा की गई है। रेल मंत्रालय ने कहा है कि रेलवे ने आज प्रयागराज क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों से 360 से अधिक ट्रेनें चलाने की योजना बनाई है। फिलहाल किसी भी स्पेशल ट्रेन को रद्द करने की कोई योजना नहीं है। सीएम योगी ने भी बताया है कि रेलवे ने श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य तक वापस ले जाने के लिए प्रयागराज क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों से स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था की है।

एनएच–19 पर दिखा भीषण जाम का नजारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रयागराज कुंभ मेला को लेकर सड़कों पर भीषण जाम लग गया है। ऐसी ही स्थिति बिहार के कैमूर जिले में है। जिले के कुदरा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)–19 पर दोनों लेनों में गाड़ियों का पहिया थम सा गया है, जिसके कारण भीषण जाम लग गया है। इस जाम में फंसे यात्री और वाहन चालक परेशान हैं। वहीं, एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं के लिए भी रास्ता निकालना मुश्किल हो गया है।

स्थानीय पुलिस प्रशासन जाम से छुटकारा के लिए लगातार प्रयास कर रही है और जगह–जगह वाहनों को रेगुलेट भी किया जा रहा है। हालांकि, दोनों लेनों में दोनों तरफ के वाहन आने–जाने के कारण स्थिति और बिगड़ गई है। कई यात्री तो 72 घंटे से भी ज्यादा समय से जाम में फंसे हुए हैं, जबकि कुछ का कहना है कि उनकी

गाड़ी 8 घंटे से एक इंच भी नहीं हिला है। बिहार सरकार के बदइंतजामी के चलते लोगों को ज्यादा परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं।

मुर्शिदाबाद से कुंभ मेला जाने के लिए बस से यात्रा कर रहे चालक छोटू कुमार ने बताया कि वह 30 यात्रियों के साथ बस लेकर कुंभ जा रहे हैं। बिहार में प्रवेश करते ही जाम का सामना करना पड़ा और अब तक 12 घंटे में महज 50 किलोमीटर का सफर तय कर पाए हैं। उनका कहना है कि दोनों लेन पूरी तरह से जाम है और स्थिति बहुत खराब है।

वहीं, आसनसोल से चंदौली जाने के लिए अपनी निजी गाड़ी से यात्रा कर रही अनीता शुक्ला ने बताया कि वह तीन दिन से जाम में फंसी हुई हैं और कुदरा तक पहुंचने में भी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उनका कहना है कि वे 8 घंटे से अपनी गाड़ी को एक इंच भी नहीं हिला पाई हैं और उन्हें यह भी नहीं समझ आ रहा है कि जाम क्यों लगा है।

कोलकाता से दिल्ली जा रहे ट्रक चालक ने भी इसी तरह की परेशानियों का जिक्र किया। उनका कहना था कि वह तीन दिनों से जाम में फंसे हुए हैं और अगर जाम न होता तो वह अब तक दिल्ली पहुंच चुके होते और फिर से अपना ट्रक लोड करके वापस यात्रा कर सकते थे।

कुदरा थाना के पुलिस अधिकारी ललन कुमार ने बताया कि कुंभ मेला के चलते दोनों लेनों में जाम लग गया है और पुलिस एक लेन को खाली करने में लगी हुई है। उन्होंने बताया कि जाम की स्थिति से निपटने के लिए जगह–जगह पुलिस बल की तैनाती की गई है और लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

महाकुंभ में चशमदीदों ने बताई आंखों देखी

‘सांस फूल रही है, भीड़ में दब गई थी मैं’

यूनिक समय, प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान महाकुंभ का सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठान माना जाता है। यह दिन इसलिए भी खास है क्योंकि 144 साल बाद दुर्लभ ‘त्रिवेणी योग’ का संयोग बना है। इस कारण करीब 10 करोड़ श्रद्धालुओं के कुंभ में शामिल होने का अनुमान जताया गया है। भक्ति के रस में डूबे श्रद्धालु देश–दुनिया से संगम नगरी प्रयागराज में अमृत स्नान के लिए पहुंच रहे हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। लेकिन देर रात संगम नगरी में अचानक से भगदड़ मच गई। इस कारण कई श्रद्धालु घायल हो गए। 20 की मौत की आशंका जताई हई है। श्रद्धालुओं ने भगदड़ की आंखोंदेखी बताई है।

जब भगदड़ मची तो हर तरफ–चीख पुकार मच गई थी। लोग जान बचाने के लिए इधर उधर भाग रहे थे। पुलिस–प्रशासन ने किसी तरह स्थिति पर नियंत्रण पाया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद मंजर का बेहद दर्दनाक दिखा। चारों तरफ श्रद्धालुओं का बिखरा सामान, जूते–चप्पल और कपड़े तितर–बितर पड़े हुए दिखे। किसी का सामान खो गया तो किसी का अपना लापता हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भगदड़ तब मची जब स्नान के बाद भीड़ को बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिला। कुछ लोग रास्ते में पड़े लोहे के कूड़ेदानों से टकरा गए, जिससे वे गिर पड़े और उनके साथ अन्य लोग भी गिरते चले गए। तो वहीं, अन्य श्रद्धालुओं का कहना है कि भीड़ में कुछ महिलाओं का दम घुटने लगा। इसके बाद वो एक दूसरे पर वह गिरने लगीं। इसी वजह से बैरिकेडिंग टूटी और देखते ही देखते भगदड़ मच गई।

एक महिला ने बताया कि सांस फूल रही है, मैं दब गई थी। बहुत दिक्कत हो रही है। वहीं एक एंबुलेंस के ड्राइवर ने बताया कि वो 20 चक्कर अस्पताल के लगा चुका है और अकेले आज करीब 35 मरीजों को अस्पताल पहुंचा चुका है।

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इस भगदड़ के चशमदीद विवेक मिश्रा ने बताया– मैं भी उस वक्त वहीं था जब भगदड़ मची। भीड़ को यह समझ नहीं आ रहा था किस्नाना के बाद कहां जाना है।

जगह–जगह रखे लोहे के कूड़ेदान भी श्रद्धालुओं को दिखाई नहीं दे रहे थे, जिससे कई लोग गिर गए और उनके बैग व अन्य सामान इधर–उधर बिखर गए। मैं खुद भी गिर पड़ा और मेरे पैर में चोट लगी। मेरे माता–पिता भी गिर गए थे, जिनकी मैंने मदद की। मैंने एक अन्य महिला को भी उठाया। लेकिन तभी भीड़ में कुछ युवक घबराने लगे और एक–दूसरे को धक्का देने लगे, जिससे भगदड़ मच गई।

एक प्रत्यक्षदर्शी की मानें तो, प्रशासन मैनेज नहीं कर पाया। हम बिहार के नालंदा से 50–60 लोग आए हैं। हमारे साथ बच्चे और बुजुर्ग भी थे। भगदड़ में इतनी धक्का–मुक्की हुई कि सभी लोग एक दूसरे से बिछड़ गए।

एक अन्य श्रद्धालु की मानें तो, भगदड़ इसलिए मची क्योंकि बाहर निकलने का रास्ता पूरी तरह जाम था। उन्होंने कहा, ‘हम चार लोग थे, हमारे कुछ साथी पहले ही नंदनी द्वार पहुंच चुके थे। हम पीछे रह गए और अचानक रास्ता पूरी तरह ब्लॉक हो गया। आगे लोग गिर रहे थे और पीछे से भी भीड़ बढ़ती जा रही थी। इससे भगदड़ की स्थिति बन गई।

बलिया से संगम नगरी पहुंचे एक श्रद्धालु ने बताया– हम 14 लोग महाकुंभ के लिए आए हैं। रात को जब हम मेले के लिए जा रहे थे तो अचानक इतनी भीड़ हो गई कि लोग एक–दूसरे पर गिरने लगे। हम 14 लोग साथ में ही चल रहे थे। भगदड़ में कौन कहां चला गया, किसी को समझ ही नहीं आया।

एक शख्स ने कहा– प्रशासन ने संगम के लिए एक ही रास्ता कर दिया था। इसलिए ये हादसा हुआ। अचानक कुछ महिलाएं गिरी। हम लोगों ने उनकी मदद की। लेकिन तब तक दूसरी ओर भी भगदड़ मच चुकी थी। संगम की ओर आने और जाने का एक ही रास्ता था। लोग इधर उधर भागने की कोशिश कर रहे थे। हालत खराब हो रही थी। दम भी घुट रहा था। लेकिन उस वक्त बस हमें जान बचाने की लगी थी कि किसी तरह हम सुरक्षित जगह पहुंच सकें। एक श्रद्धालु ने बताया कि रात डेढ़ बजे के करीब भगदड़ मची। लोग सो रहे थे, और दूसरी और से भीड़ आई और भगदड़ मच गई। बैरिकेडिंग पर पुलिस फोर्स तैनात थी, लेकिन भीड़ को देखकर वो पीछे हट गए। इसके बाद भगदड़ मच गई। चीख पुकार शुरू हो गया।

फिर घायलों को ले जाने के लिए एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एक अन्य महिला श्रद्धालु ने भी कहा– भगदड़ के बाद मेरा सारा सामान खो गया है। मोबाइल तक टूट गया है। समझ नहीं आ रहा कि आगे क्या करना है। पिछले कई घंटे से हम एक ही जगह पर हैं। भगदड़ के वक्त लोग एक दूसरे पर चढ़ते और कूदते चले गए। पुलिस फोर्स भी पीछे हट गई थी।

सार संक्षेप

दिल्ली चुनाव में प्रचार के लिए पहुंचे पुष्कर सिंह धामी

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार किया। उन्होंने जय विहार में नजफगढ़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार नीलम पहलवान के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित किया।

चुनाव से पहले दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही नॉर्थ–वेस्ट जिला पुलिस ने सख्त अभियान चलाया है। चुनाव आयोग की गाइडलाइंस के तहत अवैध शराब, ड्रग्स, बेहिसाब कैश, हथियारों और जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान कई संदिग्ध गिरफ्तार हुए और भारी मात्रा में नकदी, शराब, नशीले पदार्थ और हथियार बरामद किए गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 1.50 करोड़ रुपये कैश बरामद किया है। पुलिस ने तीन अलग–अलग जगहों पर नाकेबंदी (पिकेट चेकिंग) के दौरान छह लोगों को पकड़ा और 1,50,60,000/– कैश जब्त किया। यह पैसा बिना किसी वैध दस्तावेज के ले जाया जा रहा था।

झांसी में आग से कई दुकानें जलकर खाक

यूनिक समय, नई दिल्ली। झांसी के कस्तूरबा नगर मार्केट में बुधवार सुबह अचानक आग लग गई। सबसे पहले दो दुकानों से धुआं उठता दिखा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और ऊंची–ऊंची लपटें उठने लगी। घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

ताहिर हुसैन बोला— सिसोदिया भी जेल गए, आप ने उनको क्यों नहीं निकाला

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली की मुस्तफाबाद सीट से एआईएमआईएम ने ताहिर हुसैन को उम्मीदवार बनाया है। इस बीच चुनाव प्रचार के लिए पैरोल पर तिहाड़ से बाहर हुसैन ने आप पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा सिसोदिया भी जेल गए, पार्टी ने उनको क्यों नहीं निकाला?

श्रद्धालुओं की जांच के लिए घुड़सवार पुलिस को आदेश

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रयागराज महाकुंभ मेले के डीआईजी वैभव कृष्ण ने त्रिवेणी संगम घाट पर श्रद्धालुओं की जांच के लिए घुड़सवार पुलिस को आदेश दिया।

कांग्रेस ने महाकुंभ भगदड़ को लेकर साधा निशाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ट्वीट किया, प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ के कारण कई लोगों की मौत और कई के घायल होने की खबर बेहद दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। इस दुखद घटना के लिए कुप्रबंधन और प्रशासन का आम श्रद्धालुओं के बजाय वीआईपी मूवमेंट पर विशेष ध्यान जिम्मेदार है। मैं कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे प्रभावित परिवारों की मदद करें।

दिल्ली वक्फ की बैठक खत्म

जेपीसी ने बिल को 14 वोट से स्वीकार कर लिया

यूनिक समय, नई दिल्ली। वक्फ को लेकर हुई बैठक खत्म हो गई है। वक्फ जेपीसी ने बिल को 11 के मुकाबले 14 वोट से स्वीकार कर लिया है। विपक्षी सदस्यों को आज शाम 4 बजे तक अपना असहमति नोट देने के लिए कहा गया है।

इस मामले में असदुद्दीन ओवैसी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, 'आज तो ड्राफ्ट रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया। 14 वोट इसके पक्ष में थे और 11 वोट विपक्ष में थे। कल रात में 650 पेज के ऊपर रिपोर्ट दी गई, कैसे किसी को हम इतनी जल्दी पढ़कर देंगे। हम हमारी पार्टी की तरफ से असहमति नोट दे रहे हैं और हमारा मानना है कि मोदी सरकार जो अमेंडमेंट लेकर आई है वह प्रॉपर्टी को बचाने के लिए नहीं है बल्कि बर्बाद करने के लिए है। वक्फ मुसलमानों के लिए इबादत है, उसे छीना जाना चाहते हैं।'

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, 'हमारा मानना है कि मोदी सरकार वक्फ प्रॉपर्टी को मुसलमानों से छीनना चाहती है। सरकार के पास बहुमत है तो उन्होंने इस अमेंडमेंट को पास करवा लिया। अब ये संसद में जाएगा लेकिन हम संसद में लड़ाई लड़ेंगे। जरूरत पड़ेगी तो हम बाहर भी इसका विरोध करेंगे।'

बता दें कि इससे पहले वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर चर्चा कर रही संसद की संयुक्त समिति ने सत्तारूढ़ भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी संशोधनों को सोमवार को स्वीकार कर लिया था और विपक्षी सदस्यों के संशोधन प्रस्तावों को खारिज कर दिया था।

समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने बैठक के बाद बताया था कि समिति द्वारा स्वीकार किए गए संशोधनों से कानून बेहतर और प्रभावी होगा। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने बैठक की कार्यवाही की निंदा की और पाल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को 'पलटने' का आरोप लगाया।

तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने कहा था, ''यह हास्यास्पद कवायद थी। हमारी बात नहीं सुनी गई। जगदंबिका पाल ने तानाशाही तरीके से काम किया है।'' वहीं, पाल ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पूरी प्रक्रिया लोकतांत्रिक थी और बहुमत की राय को स्वीकार किया गया है।

इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता के विवादित बोल

महिला–पुरूष एक समान नहीं हैं

यूनिक समय, नई दिल्ली। केरल में महिलाओं की समानता को लेकर एक के बाद एक विवादित बयान सामने आ रहे हैं। मौलवी ए पी अबूबकर मुसलियार ने पुरुषों के साथ महिलाओं के कसरत करने को लेकर विवादित बयान दिया था, जिसके बाद अब महासचिव पी एम ए सलाम ने कहा है कि महिला और पुरुष दोनों एक समान नहीं हैं।

केरल के मलप्पुरम में कांग्रेस की सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के राज्य महासचिव पी एम ए सलाम ने कहा है कि महिला और पुरुष समान नहीं हैं और जो कोई भी ऐसा दावा करता है, वह केवल अपनी आंखें बंद करके खुद को अंधेरे में रख रहे हैं।

सलाम ने हाल ही में मलप्पुरम में पत्रकारों से बात करते हुए यह विवादित बयान दिया। ये राजनीतिक रूप से यूडीएफ विपक्ष के लिए सही नहीं माना जा रहा है। अपने तर्क के समर्थन में आईयूएमएल नेता ने कहा कि ओलंपिक में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग–अलग श्रेणियां थीं। क्या ऐसा इसलिए नहीं है क्योंकि वे अलग हैं? क्या हम कह सकते हैं कि पुरुष और महिला सभी मामलों में समान हैं? क्या दुनिया ने इसे स्वीकार किया है? यह कहना कि वे समान हैं, अंधकारमय बनाने के लिए अपनी आंखें बंद करने जैसा है।

सलाम ने कहा कि आईयूएमएल महिलाओं और पुरुषों के लिए समानता और लैंगिक न्याय का समर्थक है, न कि लैंगिक समानता का है। महिलाओं से जुड़ा एक ऐसा ही विवादित बयान पिछले सप्ताह केरल के एक प्रमुख इस्लामी मौलवी ने सार्वजनिक स्थानों पर पुरुषों और महिलाओं दोनों के साथ कसरत करने के संबंध में दिया था। एपी सुन्नियों के समस्त केरल जेम–इय्याथुल उलमा के महासचिव कंथापुरम ए.पी. अबूबकर मुसलियार ने कहा कि इस तरह की प्रथाएं महिलाओं की शील के साथ समझौता कर सकती हैं।

भूकंप से फिर दहली उत्तराखंड की धरती

यूनिक समय, नई दिल्ली। उत्तराखंड में बुधवार को भूकंप के तेज झटके लगे हैं। भूकंप के डर से लोग भागकर अपने घरों से बाहर निकल गए। पिछले 5 दिन से लगातार आ रहे भूकंप की वजह से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में आज भी भूकंप के झटकों ने लोगों को दहला दिया है। उत्तरकाशी में फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। बुधवार को दोपहर 3 बजकर 28 मिनट पर भूकंप का झटका महसूस किया गया जिसके बाद लोग दहशत में आ गए और आनन फानन में घरों से बाहर निकल आए।

बता दें कि पिछले 7 दिनों में उत्तरकाशी में कई बार भूकंप के झटके आ चुके हैं। उत्तरकाशी क्षेत्र भूकंप के चार व पांच जोन में आता है, जिस कारण यह क्षेत्र भूकंप की नजर से बेहद संवेदनशील भी माना जाता है। भूकंप के झटके बार–बार आने से लोग डरे सहमे हैं।

जनपद में आ रहे लगातार भूकंप के झटके किसी बड़े भूकंप आने के संकेत तो नहीं। इसके साथ ही, भूकंप से हुए नुकसान की भी पड़ताल की जा रही है।

महाकुंभ में भगदड़ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जताया दुख

यूनिक समय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बुधवार तड़के महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ की घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इसे अत्यंत दुखद घटना बताया और हताहत हुए श्रद्धालुओं के परिवारों के प्रति शोक–संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति मुर्मू ने घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, 'प्रयागराज महाकुंभ में भगदड़ की घटना अत्यंत दुखद है। मैं हताहत हुए श्रद्धालुओं के परिवारजनों के प्रति शोक–संवेदना

व्यक्त करती हूं और ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि घायल हुए सभी श्रद्धालु शीघ्र ही स्वस्थ हों।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ की घटना को 'अत्यंत दुखद' करार दिया। पीएम मोदी ने लोगों की मौत पर संवेदना जताते हुए कहा कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात की है और वह लगातार राज्य सरकार के संपर्क में हैं। उन्होंने पर एक पोस्ट में कहा, 'प्रयागराज महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन श्रद्धालुओं ने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' पीएम मोदी ने कहा कि स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा हुआ है।

घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की

यमुना जल को लेकर पीएम मोदी का केजरीवाल पर निशाना

यूनिक समय, नई दिल्ली। यमुना के पानी में जहर वाले बयान पर अरविंद केजरीवाल बुरी तरह घिर गए हैं। अब दिल्ली में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी केजरीवाल पर बड़ा हमला किया है।

दिल्ली में आगामी 5 फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर जमकर बयानबाजी हो रही है। हाल ही में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि हरियाणा में भाजपा के लोग पानी में जहर मिला रहे हैं और इसे दिल्ली भेज रहे हैं। केजरीवाल के इस बयान का काफी विरोध देखने को मिला था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अरविंद केजरीवाल पर इस मुद्दे को लेकर बड़ा हमला किया है। आइए जानते हैं कि पीएम मोदी ने यमुना के पानी पर जारी विवाद को लेकर क्या कहा।

दिल्ली के उस्मानपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा– "दिल्ली के एक एक्स सीएम ने हरियाणा के लोगों पर आरोप लगा दिए। हार के डर से 'आपदा' वाले घबरा गए। क्या हरियाणा के लोग अपने ही परिवार के लोगों के पानी में जहर मिला सकते हैं। मोदी और देश के सभी न्यायाधीश और दुनियाभर के एम्बेसी के लोग भी वही पानी पीते हैं। क्या कोई सोच सकता है कि मोदी के पानी में हरियाणा वाले जहर मिला सकते हैं?

बोले—'क्या मोदी के पानी में हरियाणा वाले जहर मिला सकते हैं?'

पीएम मोदी ने आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा– "गलती माफ करना देशवासियों का उदार चरित्र हैं। लेकिन जानबूझकर कोई गलती करे तो देश उसे माफ नहीं करता है। हरियाणा के लोग देशभक्त और धर्म परायण है। ये सिर्फ हरियाणा का नहीं देश का अपमान है, संस्कृति का अपमान है। ऐसी ओछी बातें करने वालों को दिल्ली सबक सिखाएगी। इन आपदा वालों की लुटिया यमुना में ही डूबेगी।

लापता शिवसेना पदाधिकारी की तलाश तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। 10 दिनों से लापता शिवसेना पदाधिकारी अशोक ढोडी की खोज को लेकर महाराष्ट्र पुलिस एक्शन में आती हुई नजर आ रही है। पुलिस ने आठ टीमों का गठन कर ढोडी की खोज तेज कर दी है। हालांकि पुलिस ने ढोडी के लापता होने के पिछे परिवार से जुड़े संपत्ति विवाद की भी संभावना बताई है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पदाधिकारी अशोक ढोडी के लापता होने के बाद महाराष्ट्र सरकार एक्शन में आती हुई नजर आ रही है। जहां ढोडी की तालाश के लिए राज्य सरकार ने आठ पुलिस टीमों का गठन किया है। बता दें कि अशोक ढोडी एकनाथ शिंदे की शिवसेना के दहानू विधानसभा क्षेत्र के सलाहकार थे जो 20 जनवरी को लापता हो गए थे। अब तक पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है और उन पर कार्रवाई की जा रही है।

लापता अशोक ढोडी के मामले में प्रेस वार्ता के दौरान जिला पुलिस अधीक्षक बालासाहेब पाटिल ने कहा कि हमने मामले के संबंध में अपने संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनमें से तीन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि पुलिस आज शाम तक मामले को सुलझाने में सक्षम होगी। उन्होंने कहा हमने मामले पर काम करने के लिए स्थानीय अपराध शाखा सहित आठ टीमों का गठन किया है।

आठ पुलिस टीमों का गठन, संपत्ति विवाद से जुड़ा हो सकता है मामला

पाटिल ने बताया कि पुलिस हिरासत में लिए गए संदिग्धों से मिली खुफिया सूचनाओं, तकनीकी आंकड़ों और सूचनाओं पर भरोसा कर रही है। हालांकि एक आरोपी के पुलिस हिरासत से भागने के बाद थोड़ी मुश्किलें सामने आई है और इसका प्रभाव जिससे जांच पर भी पड़ा है।

साथ ही उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि धोडी के लापता होने का कारण उसके परिवार में संपत्ति से जुड़ा विवाद हो सकता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ढोडी को आखिरी बार 20 जनवरी को दहानू जाते समय देखा गया था और वह शाम को वापस भी लौटे थे, लेकिन फिर अचानक गायब हो गए।

पुलिस मोबाइल ट्रैकिंग और अन्य तकनीकी तरीके से मामले की जांच कर रही है और संदिग्धों से मिली जानकारी पर भी काम कर रही है।

ढोडी की पत्नी ने कुछ लोगों पर संदेह जताया था, जिसके बाद घोलवाड़ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इन आरोपियों के खिलाफ हत्या, अपहरण, और अन्य गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय :– यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। फोन नंबर–0565–2420150, मो। 9837155888 E-mail : uniquesamaynews@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053